Cनews सिटी चीफ

वर्ष-14, अंक-308
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार
इच्छाये ही सब दुखों का मूल कारण हैं।
- भगवन बुद्ध

सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, शनिवार 10 फरवरी 2024

कभी दूसरों की मुसीबत बढ़ाने वाले समीर वानखेड़े आज खुद ED के झमेले में फंसे

मुंबई । कभी बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान की मुसीबत बढ़ाने वाले मुंबई NCB के पूर्व जोनल डायरेक्टर समीर वानखेड़े अब खुद मुश्किल में फंस गए हैं. ईडी ने आईआरएस अधिकारी समीर वानखेड़े के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है. प्रवर्तन निदेशालय ने पीएमएलए एक्ट के तहत यह मामला दर्ज किया है. इडी ने कुछ लोगों को समन भी जारी किया है. NCB के तीन अधिकारियो को ईडी ने अगले सप्ताह पूछताछ के लिए बुलाया है. समीर वानखड़े के खिलाफ सीबीआई भी पहले ही मामला दर्ज कर चुकी है. सीबीआई ने जो मामला दर्ज किया था, समीर बानखेडे और अन्य के खिलाफ उसी एफआईआर को आधार बनाकर प्रवर्तन निदेशालय ने पीएमएलए एक्ट के तहत केस दर्ज किया है. ईडी ने इसी मामले में कुछ लोगों से पूछताछ भी की है. इतना ही नहीं, ईडी ने NCB से जुड़े कुछ लोगों और अन्य लोगों को अगले वीक पूछताछ में शामिल होने के लिए मुंबई दफ्तर बुलाया है. दरअसल, सीबीआई ने बीते साल समीर वानखेड़े और चार अन्य लोगों के खिलाफ ड्रग्स मामले में शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान को फंसाने के एवज में कथित रूप से 25 करोड़ रुपये की रिश्वत मांगने के आरोप में एफआईआर दर्ज की थी. इस मामले में शाहरुख खान एंड फैमिली को बुरी तरह से फंसाया गया था. गौरतलब है कि जब शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान ड्रग्स मामले में फंसे थे, तब समीर वानखेड़े नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के मुंबई जोनल प्रमुख थे. समीर वानखेड़े के नेतृत्व में एनसीबी ने साल 2021 में मुंबई के तट पर एक क्रूज पर छापा मारा था और आर्यन खान को पकड़ा था. इस ड्रग केस में आर्यन खान को करीब चार सप्ताह तक जेल में रहना पड़ा था. हालांकि, अगले साल मई 2022 में पर्याप्त सबूतों के अभाव में आर्यन खान सभी आरोपों से मुक्त हो गए थे.

रामनवमी पर आ सकते हैं एक करोड़ श्रद्धालु

ट्रस्ट और प्रशासन तैयारियों में जुटे

अयोध्या । रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद से ही रामनगरी में श्रद्धालुओं का रेला उमड़ रहा है। रोजाना डेढ़ से दो लाख भक्त रामलला के दरबार में हाजिरी लगा रहे हैं। 18 दिनों में करीब 40 लाख भक्त रामलला के दरबार में दर्शन-पूजन कर चुके हैं। भीड़ का क्रम लगातार जारी है। एक अनुमान के मुताबिक रामनवमी में एक करोड़ श्रद्धालु अयोध्या आ सकते हैं। प्रशासन अभी से भीड़ नियंत्रण की योजना पर काम करने लगा है। इसके लिए वैकल्पिक मार्ग तैयार किए जा रहे हैं। रामनवमी मेला नौ दिनों का होता है। मुख्य पर्व चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को रामजन्मोत्सव में रूप में मनाया जाता है। इस बार रामनवमी 17 अप्रैल को मनाई जाएगी। उत्सव की शुरुआत चैत्र नवरात्र के शुभारंभ के साथ हो जाएगी। नौ दिनों तक अयोध्या में कथा, प्रवचन समेत अन्य अनुष्ठानों की धूम रहेगी। पिछले साल रामनवमी के दिन करीब सवा दो लाख भक्तों ने अस्थाई मंदिर में विराजे रामलला के दर्शन किए थे। जबकि अयोध्या में 25 लाख श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी थी। उस समय रामलला का दर्शन मार्ग संकरा था, अस्थायी मंदिर में सुविधाओं का अभाव था, गर्भगृह परिसर की क्षमता भी कम थी लेकिन अब सुविधाओं की भरमार है। 100 फीट चौड़ा राम जन्मभूमि पथ बन गया है। रामलला भव्य महल में विराजमान हो गए हैं। ऐसे में अनुमान लगाया जा रहा है कि रामनवमी में करीब एक करोड़ अयोध्या पहुंच सकते हैं। भीड़ बढ़ने पर क्षीरेश्वरनाथ मंदिर के सामने स्थित राम जन्मभूमि के गेट नंबर तीन से श्रद्धालुओं की निकासी करने का निर्णय लिया गया है। 40 फीट चौड़ा यह यह मार्ग भी बनकर तैयार हो चुका है। पहले इस मार्ग का प्रयोग वीआईपी मूवमेंट के लिए होता था। साथ ही मंदिर परिसर के उत्तर दिशा में भी एक नया रास्ता बनाया जा रहा है। रेलवे स्टेशन से राम जन्मभूमि पथ को जोड़ने के लिए सुग्रीव पथ भी तैयार करने की योजना है।

मुख्यमंत्री ने सुशासन महोत्सव 2024 में सुशासन पर विचार किए सांझा

जवाबदेही, पारदर्शिता और सेवा-भाव है सुशासन का मूलमंत्रः मुख्यमंत्री

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि शासन की संपूर्ण व्यवस्थाओं में जनता के प्रति जवाबदेही, पारदर्शिता और सेवा-भाव से सभी को समर्पित कार्यप्रणाली सुनिश्चित करना सुशासन का मूलमंत्र है। भारतवर्ष में आदिकाल से ही सुशासन की परंपरा रही है, चाहे वह भगवान राम का काल हो या सम्राट विक्रमदित्य और राजा भोज का काल। आदिकाल की इसी परंपरा पर चलते हुए मध्य प्रदेश राज्य भी सुशासन के नए अध्याय लिख रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उनके लिए सुशासन के प्रेरणास्त्रोत हैं। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने यह बात शुक्रवार को नई दिल्ली स्थित डॉ अम्बेडकर इंटरनेशनल सेंटर में रामभाउ म्हलगी प्रबोधिनी संस्था के तत्वावधान में आयोजित सुशासन महोत्सव 2024 के मध्यप्रदेश राज्य के सत्र को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि सुशासन की परिकल्पना में प्रदेश के मंत्रिमंडल को दक्ष बनाने और जनता के प्रति जवाबदेह बनाने के उद्देश से दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई थी। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मंत्रिमंडल को प्रशिक्षण के उपरांत अधिकारियों पर निर्भरता भी कम होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सुशासन का महत्व बताते हुए कहा कि सुशासन के जरिए जीवन में बदलाव लाने वाली अंत्योदय आधारित, पारदर्शी, संवेदनशील और गरीबोन्मुखी कार्यप्रणाली की व्यवस्था करना राज्य शासन का ध्येय है, जिससे आम नागरिक भी स्वाभिमान के साथ जीवनयापन कर सके। उन्होंने बताया कि प्रदेश में शिक्षा, कानून व्यवस्था, स्वास्थ्य, रोजगार और पर्यावरण सरकार की प्राथमिकताएं हैं, जिस पर पिछले दो माह से काम जारी है। पहली ही कैबिनेट में प्रदेश में सभी जिलों में एक्सीलेंस महाविद्यालय स्थापित करने का निर्णय लिया गया था। खाद्य सुरक्षा अधिनियम और कोलाहल अधिनियम के तहत प्रभावी कार्यवाही करते हुए लगभग 25,000 दुकानें एक दिन में बंद करवाई गईं और 32,000 से अधिक ध्वनि प्रदूषण यंत्र जब्त किए गए। दुर्दांत अपराधियों के विरुद्ध भी शासन सख्त कार्रवाई कर रही है। सुशासन महोत्सव का उद्घाटन भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद जेपी नड्डा ने किया। इस अवसर पर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और रामभाउ म्हलगी प्रबोधिनी के अध्यक्ष देवेन्द्र फडणवीस तथा उपाध्यक्ष डॉ. विनय सहत्रबुद्धे भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सत्र का संचालन इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेटिक लीडरशिप के कोर्स डायरेक्टर प्रो. देवेंद्र पाई ने किया।

केंद्रीय मंत्री मेघवाल से मिले मुख्यमंत्री डॉ. यादव

इससे पहले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को नई दिल्ली में केंद्रीय संस्कृति, संसदीय कार्य तथा कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल से इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र स्थित उनके कार्यालय में सौजन्य भेंट की और उनके मंत्रालय से जुड़े प्रदेश से संबंधित विषयों पर विस्तृत चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय मंत्री का पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिवादन किया।

परदेशीपुरा इलाके में मिला पुलिसकर्मी का शव, डीसीपी बंगले पर था पदस्थ

इंदौर। शहर के परदेशीपुरा क्षेत्र में पुलिसकर्मी की लाश मिली है। उसका नाम अशोक बोडाना बताया जा रहा है। अशोक डीसीपी ट्रैफ़िक (डीआईजी) मनीष अग्रवाल की गाड़ी चलाता था। शुक्रवार शाम गाड़ी रिपेयर के लिए देने गए थे। गाड़ी छोड़ने के बाद उनका पता नहीं चल पाया। पुलिस ने मोबाइल की अंतिम लोकेशन निकाली तो एलआईजी चौराहे की मिली। लोकेशन के आधार पर एमआईजी थाना में गुमशुदगी दर्ज करवा दी गई। शनिवार सुबह अशोक का सुभाष नगर में सड़क किनारे शव मिला। उनका मोबाइल गायब है। टीआई के मुताबिक, शरीर पर चोट के निशान नहीं है। साइलेंट अटैक भी हो सकता है। शव का पीएम करवाया जा रहा है।

हरदा विस्फोट मामले में मजदूरों का बड़ा दावा बताया कैसे लगी थी पटाखा फैक्ट्री में आग

हरदा। बैरागढ़ पटाखा फैक्ट्री में मंगलवार को हुए दिल दहला देने वाले धमाके का फिलहाल ठोस कारण तो सामने नहीं आया है, मगर हादसे के दौरान फैक्ट्री में मौजूद मजदूरों की मानें तो इसके पीछे एक छोटी सी चिंगारी थी, जो बारूद को बारीक करने के दौरान निकली थी। वक्त वह फैक्ट्री के ग्राउंड फ्लोर पर अपनी बेटी ख्वाइश (12) और बेटा फैजल (चार) के साथ पटाखे पैक कर रही थी। पास के एक कमरे में बारूद को बारीक करने का काम चल रहा था। इसी दौरान चिंगारी निकली और कमरे में धुआं भरने लगा। मगरधा रोड पर बच्चों के साथ अकेले रहने वाली शबनम ने बताया कि हादसे के समय चारों तरफ अफरा-तफरी मच गई थी। वहीं काम करने वाले राजू निवासी भादूगांव का दावा है कि फैक्ट्री के अंदर एक दूसरे कमरे में तब पटाखों की बत्ती काटने का काम चल रहा था। चिंगारी ग्रेंडर से भी निकल सकती है। बता दें कि सिराली तहसील के ग्राम पीपलपानी स्थित पटाखा फैक्ट्री में भी दिसंबर 2019 में जो विस्फोट हुआ था, उसके पीछे भी बारूद को बारीक करने के दौरान निकली चिंगारी ही थी। इसमें गोमगांव निवासी नरेंद्र मर्सकोले (22) की मौत हो गई थी।

13वीं मौत... मासूम ने एम्स में तोड़ा दम

पटाखा फैक्ट्री में हुए धमाके में शुक्रवार को 13वीं मौत हुई और इसी के साथ एक पिता बेसहारा हो गया। धमाके के दौरान पत्थर लगने से संजय राजपूत और उनका आठ वर्षीय बेटा आशीष दोनों घायल हो गए थे। दोनों को गंभीर हालत में नर्मदापुरम के अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां आशीष की हालत में सुधार ना होने पर उसे भोपाल एम्स भेजा गया था। शुक्रवार को इलाज के दौरान आशीष ने दम तोड़ दिया। वहीं बेटे की मौत के बाद नर्मदापुरम के अस्पताल से पिता संजय राजपूत को डिस्चार्ज कर दिया गया।

रेलवे ट्रैक के किनारे मिले 75 बोरी सुतली बम

हादसे के बाद हरदा प्रशासन अलर्ट मोड पर है। गुरुवार को क्षेत्र में सर्चिंग के दौरान पांच बोरी सूतली बम मिले थे। शुक्रवार को दिल्ली-मुंबई रेल मार्ग पर रेलवे ट्रैक के पास 75 बोरी सुतली बम मिले हैं। ट्रैक किनारे इतनी बड़ी संख्या में बम मिलने से क्षेत्र में सनसनी का माहौल है। ट्रैकमैन राहुल नागले ने बताया कि वे डाउन साइड से आ रहे थे, तभी ट्रैक के पास बोरियां पड़ी हुई देखीं। इसकी सूचना उन्होंने पुलिस को दी। सिविल लाइन थाना पुलिस ने बोरियों को जब्त कर लिया है।

क्या गुना लोकसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे ज्योतिरादित्य सिंधिया?

गुना! लोकसभा चुनाव को लेकर एमपी में सियासी दलों ने तैयारियां तेज कर दी है। वहीं, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया गुना-शिवपुरी लोकसभा क्षेत्र में एक्टिव हो गए हैं। वह यहां से सांसद रह चुके हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में वह हार गए थे। अब लोकसभा चुनाव 2024 से पहले वह फिर से एक्टिव हो गए हैं। ऐसे में अटकलें हैं कि वह लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। हालांकि ऐसे सवालों को ज्योतिरादित्य सिंधिया टाल दे रहे हैं। उनका कहना है कि हम पूर्व में भी यहां एक्टिव रहे हैं। बता दें कि हाल ही में लोकसभा चुनाव से पहले बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा ने पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के गढ़ से गांव चलों की शुरुआत की है। वीडी शर्मा ने आवन गांव के मंदिर में सुंदरकांड किया और बूथ प्रभारियों के साथ बैठक भी की। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के गढ़ में चुनावी शंखनाद करने के बाद वी डी शर्मा ने इलाके के लोगों के साथ चाय पर चर्चा की, किन्?तु जब वीडी शर्मा से गुना लोकसभा सीट पर ज्योतिरादित्य सिंधिया की दावेदारी को लेकर सवाल पूछा गया तो BJP अध्यक्ष ने चुप्पी साध ली। विदित हो कि गुना जिले में आयोजित सांसद खेल प्रतियोगिताओं के समापन समारोह में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया शामिल हुए। जब सिंधिया मंच से भाषण दे रहे थे, तब उनके समर्थकों ने ज्योतिरादित्य को एक बार फिर गुना का सांसद देखने की मंशा जाहिर करते हुए नारे लगाए। सिंधिया समर्थकों ने नारेबाजी करते हुए कहा कि गुना-शिवपुरी-अशोकनगर की मजबूरी है, सिंधिया जरूरी है, हालांकि सिंधिया ने इस बात को बीच में ही नजर अंदाज कर दिया और खिलाडियों और खेलों पर चर्चा करने लगे। गौरतलब है कि ज्योतिरादित्य सिंधिया द्वारा आयोजित राज्यसभा सांसद खेल महोत्सव कई दिनों से चर्चा में है। इस दौरान ज्योतिरादित्य सिंधिया से जब उनके दौरे के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि अरे भाई, मैं अभी खेल के मैदान में हूं। साथ ही गुना, शिवपुरी और अशोकनगर के दौरे को लेकर कहा कि मेरा 20 वर्षों से इतना ही लंबा दौर रहा है। यह मैं पूरे ग्वालियर-चंबल संभाग में कर रहा हूं।

सावधान जाहिर सूचना

ग्राम गोकन्या हल्का शिवनगर रा.नि.मं. सिमरोल तहसील महू जिला इन्दोर म.प्र खसरा न. 72 वा अन्य खसरो कृषि भूमि के सम्बन्ध मे।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम गोकन्या हल्का शिवनगर रा.नि.मं. सिमरोल तहसील महू जिला इन्दोर म.प्र मे स्थित कृषि भूमि विजय पिता राम भरोसे तिवारी से छल कर फरेब से सोची समझी चाल चल कर जिसका खसरा नंबर 72 वा अन्य खसरो को लिख कर 8 विक्रय पत्रो के लिए कूटरचित भाषा लिख कर दस्तावेज तयार कर वा फर्जी चेको को दे कर जालसाजी और 420 से विक्रय पत्रों का पंजीयन करवाया गया है इन सभी के नाम इस प्रकार है सुमित प्रकाश पाटनी पिता मणिक चन्द पाटनी, अरुणा पाटनी पति सुमित प्रकाश पाटनी,अनिल कुमार पंवार पिता मोहन सिंह पंवार, राहुल जैन पिता राकेश जैन, आनंद कसेरा पिता लक्ष्मणदास कसेरा राकेश जैन पिता स्व.नवीन चन्द जैन,पार्वती जैन पति बक्षीराम जैन, पवन जैन पिता बक्षीराम जैन इन सभी के खिलाफ पुलिस में जांच चल रही है कोर्ट में केस पेंडिंग है अत- कृषि भूमि खसरा नंबर 72 वा अन्य खसरो का सौदा किया गया था जिसका भुगतान राशि चेको के माध्यम से की गई थी पर चैक अनादरण होने से सौदा 2018 में निरस्त किया जा चुका है जिसकी सूचना पेपर विग्यप्ति के माध्यम से पहले ही सूचना दी जा चुकी है अत- इन सभी विक्रय पत्रो के संदर्भ मे किसी भी व्यक्ति, संस्था या बैंक आदि से कर्ज हेतू प्राप्त करता है या इन रजिस्ट्री के माध्यम से विक्रये करता है तो इस की जवाब देयी किसान भूमि मालिक की नही होगी
अत : होने पर पुलिस कार्रवाई की जाएगी।

सिंगल कॉलम

श्री श्रीविद्याधाम में मनेगा प्रकाशोत्सव, गांधी हॉल में होगा ज्योतिष वास्तु महासम्मेलन

इंदौर। शहर में विभिन्न धार्मिक-सामाजिक और सांस्कृतिक संगठनों के आयोजन 10 फरवरी को होंगे। इस दिन माघ माह की गुप्त नवरात्र की शुरुआत होगी। इसके अलावा जैन समाज पार्श्वनाथ महाअर्चना अनुष्ठान और ज्योतिष सम्मेलन होगा। साथ ही चित्रकला के रंग भी सजेंगे और मेलों की मस्ती भी होगी। श्री विद्याधाम में नौ दिनी प्रकाशोत्सव की शुरुआत होगी। - एरोड्रम रोड स्थित श्री श्रीविद्याधाम मंदिर का प्रकाशोत्सव माघ माह की गुप्त नवरात्र पर 10 से 18 फरवरी तक आयोजित होगा। प्रतिदिन सुबह 6 बजे संध्या वंदन, 7 बजे वेदपाठ एवं षोडशोपचार पूजन तथा शाम 5.30 बजे ललिता सहस्त्र नामावली से लक्षार्चन आराधना एवं शाम 7.30 बजे 108 दीपों से श्रृंगार आरती तथा रात 9 बजे ललिता सहस्त्रनाम अर्चना के आयोजन होंगे।- अखिल भारतीय ज्योतिष वास्तु एसोसिएशन द्वारा 17वां ज्योतिष वास्तु महासम्मेलन गांधी हाल मे आयोजित किया जा रहा है। सम्मेलन की शुरुआत स्वामी प्रेमानंद के सान्निध्य में सुबह 11 बजे होगी। इसके बाद 12 बजे सम्मान समारोह होगा। इसके बाद दो सत्रों में विद्वान अपने शोध प्रस्तुत करेंगे। शाम 6:30 बजे वरिष्ठ विद्वानों का सम्मानित किया जाएगा। - चलो आज कुछ वक्त रंगों और रेखाओं की खूबसूरत दुनिया के बीच गुजारें। इसके लिए एबी रोड स्थित प्रिंसेस बिजनेस स्काय पार्क तक ही जाना होगा। जहां आर्ट पैसेज में लगी कला प्रदर्शनी को आप सुबह 10 बजे से रात 8 बजे के बीच जब भी निहार सकते हैं। - मराठी रंगकर्म में जिनकी रुचि है और यदि वे सानंद के सदस्य हैं तो शाम 4 बजे देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के खंडवा रोड स्थित सभागृह जा सकते हैं। यहां नाटक गालिब का मंचन होगा जिसे मुंबई के कलाकार प्रस्तुत कर रहे हैं। - संगीत रसिकों को आज फिर सुरों की दावत मिलने जा रही है। यह दावत शाम 6.30 बजे जाल सभागृह में 'नगमे नए पुराने-2' नाम से हो रही है। आप भी इस आयोजन का हिस्सा बनें और गीतों का आनंद लें। - आचार्य विहर्ष सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में दलाल बाग परिसर छत्रपति नगर में पार्श्वनाथ महा अर्चना एवं विश्व शांति महायज्ञ होगा। आचार्य विहर्ष सागर महाराज के सान्निध्य में प्रवचन और विधान होगा। तीन दिनी आयोजन का समापन 11 फरवरी को होगा। इसमें स्वर्ण रथ में श्रीजी को विराजित किया जाएगा।

अब तक 84 लाख टन सरकारी गेहूं की बिक्री, दाम फिर भी नहीं पड़े नरम

खुले बाजार बिक्री योजना (ओएमएसएस) के तहत 28 जून 2023 से 7 फरवरी 2024 तक सप्ताहिक ई-नीलामी में कुल करीब 84 लाख टन सरकारी गेहूं की बिक्री हो गई लेकिन थोक मंडियों में इस महत्वपूर्ण खाद्यान्न की कीमतों पर ज्यादा असर नहीं देखा गया। सरकार ने घरेलू बाजार में गेहूं की आपूर्ति एवं उपलब्धता बढ़ाने तथा कीमतों में तेजी पर अंकुश लगाने के लिए इस योजना की शुरुआत की थी।अधिकांश प्रमुख मंडियों में गेहूं का भाव अब भी न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से काफी ऊंचा चल रहा है। इसे देखते हुए सरकार ने अब गेहूं पर लागू स्टाक सीमा को और भी सख्त बना दिया है। थोक व्यापारियों, स्टाकिस्टों को पहले एक साथ 1000 टन गेहूं का स्टाक रखने की अनुमति दी गई थी। मगर अब उसे एकाएक 50 प्रतिशत घटाकर 500 टन नियत किया गया है। इसी तरह बिग चेन रिटेलर्स को भी अपने सभी डिपो पर कुल मिलाकर 1000 टन गेहूं रखने की स्वीकृति दी गई थी, मगर उसे भी घटाकर 500 टन निर्धारित किया गया है।

दरअसल, गेहूं का उत्पादन 2022-23 के रबी सीजन में सरकारी अनुमान से काफी कम हुआ है। गेहूं एवं इसके उत्पादों के निर्यात पर लम्बे समय से प्रतिबंध लगा हुआ है लेकिन फिर भी घरेलू बाजार में इसकी उपलब्धता में वृद्धि के कोई संकेत नहीं मिल रहे हैं। सरकार ने अपने स्टाक का दरवाजा पूरी तरह खोल रखा है और कुल लागत से 400-500 रुपये प्रति क्विंटल कम दाम पर इसकी बिक्री कर रही है।

बढ़ते आयात और घटती मांग से कालीमिर्च में मंदी

वियतनाम से बढ़ते आयात और क्षेत्रीय तीर्थयात्रा सीजन के समापन के कारण उपलब्धता बढ़ने और मांग बेहद कमजोर होने से काली मिर्च उत्पादक केंद्रों पर कीमतें घटाकर बोली जाने लगी है। किसानों को उचित मूल्य नहीं मिलने के कारण दक्षिण भारत के किसान आगामी फसल के मौसम और कालीमिर्च के बजाय काफी को प्राथमिकता देने के लिए रणनीति बना रहे हैं।इंदौर बाजारों में बढ़ती उपलब्धता और कम मांग के कारण पिछले एक पखवाड़े में कालीमिर्च की कीमतों में 25-30 रुपये प्रति किलोग्राम की कमी आ गई है। कोच्चि में बाजार में कालीमिर्च की कीमतें वर्तमान में 557 रु. प्रति किलोग्राम हैं, नीलामी मंच पर 26.5 टन की पेशकश की गई है। भारतीय मिर्च और मसाला व्यापारी संघ के अध्यक्ष किशोर शामजी के अनुसार, श्रीलंका, वियतनाम और मेडागास्कर से आयातित कालीमिर्च की बाढ़ ने घरेलू बाजार की कीमतों को प्रभावित किया है। कालीमिर्च की खपत- अधिक मसाला विनिर्माण इकाइयों के कारण घरेलू स्तर पर कालीमिर्च की खपत में वृद्धि हुई है।

मध्य प्रदेश में चलेंगी महिला स्पेशल बसें, इंदौर में पहले से दौड़ रहीं

सिटी चीफ इन्दौर

मध्य प्रदेश सरकार अब महिला सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए राज्य के 20 से अधिक शहरों में पिंक बसें शुरू करने जा रही है। इसमें चालक, परिचालक और यात्री सभी महिलाएं होंगी। इनमें इंदौर भी शामिल है। हालांकि इंदौर में पहले से महिला स्पेशल पिंक बसें चल रही हैं। पिछले तीन वर्षों से बीआरटीएस कारिडोर में दो पिंक बसों का संचालन किया जा रहा है। इनमें हर दिन 500 से अधिक महिलाएं सुरक्षित सफर कर रही हैं। इंदौर में एक संस्था ऐसी भी है, जो महिलाओं को ड्राइविंग की ट्रेनिंग देकर आत्मनिर्भर बना रही है।एआइसीटीएसएल द्वारा जून 2021 में बीआरटीएस कारिडोर पर दो पिंक बसों का संचालन शुरू किया गया था। इनमें सिर्फ महिला यात्रियों को ही सफर करने अनुमति है। ड्राइवर और टिकट चेकर भी महिला ही होती हैं। पीआरओ माला ठाकुर ने बताया कि एक संस्था के साथ मिलकर आइ-बस को मोडिफाइड कर पिंक बस में बदला गया था। पिछले तीन वर्षों से ये बसें चल रही हैं। बसों में हर दिन 400 से 500 महिलाएं सफर कर रही हैं। इनमें सबसे ज्यादा संख्या कालेज छात्राओं की है। सुबह 7 बजे से देर रात तक इन बसों का संचालन होता है। मांग बढ़ने पर बसें और

बढ़ाई जाएंगी। नौ वर्षों से तैयार हो रहीं महिला ड्राइवर सामाजिक संस्था समान सोसायटी ने वर्ष 2015 में महिला ड्राइवर और मैकेनिक की निश्शुल्क ट्रेनिंग शुरू की थी। संस्था के राजेंद्र बंधु ने बताया कि शुरुआत में दर्जनभर महिलाएं कमर्शियल ड्राइवर की ट्रेनिंग के लिए आगे आईं। इसके बाद संख्या बढ़ती गई। वर्तमान में इस सोसायटी से ट्रेनिंग लेकर 500 से अधिक महिलाएं कैब, ई-रिक्शा, पर्सनल ड्राइवर आदि का काम कर रही हैं। एआइसीटीएसएल की पिंक बस में भी सोसायटी से प्रशिक्षित महिलाएं ड्राइविंग कर रही हैं। दो साल में बन गए 50 हजार लाइसेंस आरटीओ के अनुसार कुछ वर्ष पहले तक काफी कम संख्या में महिलाओं के लाइसेंस बनवाने के आवेदन आते थे, लेकिन पिछले चार वर्षों से महिलाओं के आवेदन की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। बीते दो साल ही में लगभग 50 हजार लाइसेंस महिलाओं के बने हैं। इनमें कमर्शियल लाइसेंस भी शामिल हैं।

इंदौर में सर्द हवाओं ने बढ़ाई ठंड

रात का पारा 13 डिग्री सेल्सियस के नीचे पहुंचा

सिटी चीफ इन्दौर

बर्फबारी का असर अब इंदौर और आसपास इलाकों में दिखने लगा है। उत्तरी दिशा से आने वाली हवाओं ने ठंड बढ़ा दी। तापमान नीचे आ रहा है। बीते चार दिन से न्यूतनम तापमान 10 से 15 डिग्री के बीच बना है। रात में ठिठुरन बढ़ गई है। अलसुबह धुंध और कोहरा छाया रहता है। मगर सुबह साढ़ छह बजे दृश्यता भी पांच हजार मीटर तक रही। शनिवार को पूर्वी-उत्तर पूर्वी दिशा से हवा चलती रही। इसकी रफ्तार 18 किमी प्रतिघंटे रही। अधिकतम तापमान 25.8 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से तीन डिग्री कम था। न्यूनतम तापमान 13.1 डिग्री पर पहुंच रहा। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले तीन से चार दिन तापमान ऐसा ही बना रहेगा।आज का मौसम शहर में शुक्रवार को सुबह उत्तर पूर्वी हवा ने सर्दी का अहसास करवाया, वहीं दिन में निकली धूप से दिन के तापमान में गिरावट देखने को मिली। शनिवार को सुबह उत्तरी पूर्वी हवा चलेगी और शाम में हवा का रुख पूर्वी रहेगा। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक शनिवार को दिन के तापमान में हल्की बढ़ोतरी होगी।

इंदौर में लापता प्रधान आरक्षक का शव मिला

सिटी चीफ इन्दौर

परदेशीपुरा थाना क्षेत्र में प्रधान आरक्षक अशोक बोढाना का शव मिला है। वह कल से लापता थे। पुलिस और स्वजन उनकी जगह-जगह तलाश कर रहे थे। मोबाइल भी बंद कर लिया था।टीआइ पंकज द्विवेदी के मुताबिक़, अशोक डीसीपी ट्रैफ़िक (डीआईजी) मनीष अग्रवाल की गाड़ी चलाते थे। शुक्रवार शाम गाड़ी रिपेयर के लिए देने आए थे। गाड़ी छोड़ने के बाद उनका पता नहीं चल पाया। पुलिस ने मोबाइल की अंतिम लोकेशन निकाली तो एलआईजी चौराहे की मिली। लोकेशन के आधार पर एमआईजी थाना में गुमशुदगी दर्ज करवा दी गई। शनिवार सुबह अशोक का

सुभाष नगर में सड़क किनारे शव मिला। उनका मोबाइल ग़ायब है। टीआई के मुताबिक़, शरीर पर चोट के निशान नहीं है। साइलेंट अटैक भी हो सकता है। शव का पीएम करवाया जा रहा है।

इंदौर में नवजात को झाड़ियों में फेंकने वाले पिता को मिली जमानत

सांवेर रोड पर झाड़ियों में 18 दिन की बच्ची को फेंकने वाले पिता रोहित यादव को हीरानगर थाने से जमानत मिल गई है। बताया जा रहा है आरोपित पिता को इस बात का काफी दुख था। उसे गलती का एहसास हो गया था। वह पत्नी से भी इसके लिए बार-बार माफी मांग रहा था। इसे देखते हुए पत्नी अनिता भी पिघल गई और उसने पति की गलती माफ करते हुए प्रकरण दर्ज नहीं करवाया। जब नवजात नहीं मिली थी, तब पत्नी इसका विरोध भी कर रही थी। पुलिस के मुताबिक 12 वर्ष से कम आयु के बच्चे को असुरक्षित स्थान पर छोड़ने के मामले में कार्रवाई की गई

है। बता दें कि गुरुवार को आरोपित पिता नवजात को दोपहिया वाहन पर झोले में रखकर ले गया था। इसके बाद वह पुलिस से कह रहा था कि नवजात को बिल्ली उठाकर ले गई होगी।

यह खुशनुमा मौसम, दोस्तों का साथ और प्रकृति के सुंदर नजारे देखना है तो चलें यहां

सिटी चीफ इन्दौर

मौसम ने एक बार फिर अंगड़ाई ली है। एक ओर जहां पेड़ों से गिरे सूखे पत्तों ने पथरीले रास्तों को ढंकने की तैयारी शुरू कर दी है, वहीं हरियाली की चादर औढ़ी वादियों में पीले फूलों की बहार नजर आ रही है। पीले रंग के फूलों की सुनहरी चमक ने प्रकृति का श्रृंगार कर दिया है तो लहलहाती गेहूं और सरसों की बालियां कृषकों के मुस्कुराने की वजह बन गई है। प्रकृति के इस अनुपम रूप का आनंद लेने का यही मौसम है। मानव की मेहनत सोना उगलने की तैयारी कर रहे खेतों में नजर आ रही है तो वन को भी प्रकृति ने मानो सजा दिया है। इस मौसम में यदि ऐसे स्थान की सैर हो जाए जहां खेत और जंगल दोनों की ही सुंदरता का आनंद लिया जा सके तो कहना ही क्या। इस स्थान की तलाश ज्यादा दूर नहीं बल्कि इंदौर से महज 30 किमी दूर ही सुकड़ी नदी के किनारे पूरी होती है। यहां वादियों का आनंद जंगल, नदी, पहाड़, खेत और कच्चे रास्तों के जरिए लिया जा सकता है।कैसे पहुंचे यहां चलो इस बार इस स्थान की विस्तार से बात करते हैं। सबसे पहले हम जिक्र करते हैं स्थान के नाम और खूबसूरती का। इस स्थान को सुकड़ी नदी के नाम से जाना जाता है। इंदौर से खंडवा रोड पर जब आप जाएंगे तो पहले भेरूघाट की खूबसूरती से मुखातिब होने का मौका मिलेगा। घाट पार करने के बाद शनि मंदिर के दर्शन होंगे। यहां दर्शन कर आप शांति का अनुभव करेंगे। यदि दर्शन नहीं

करना है तो मंजिल की ओर बढ़ जाएं। सुकड़ी नदी तक पहुंचने के लिए आपको मंदिर से ठीक पहले बाएं हाथ पर नजर आते मार्ग की ओर रूख करना होगा। इस मार्ग पर ओखलेश्वर 20 किमी लिखा बोर्ड नजर आता है। इस मार्ग पर आगे बढ़ने पर एक किमी बाद डामर की सड़क का मोह त्याग दाहिनी ओर नजर आने वाले कच्चे रास्ते पर बढ़ना होगा। यह रास्ता आपको सुकड़ी नदी तक पहुंचाता है। इसलिए कहा जाता है इसे सुकड़ी नदी वर्षा ऋतु में जिस नदी में अपार जलराशि नजर आती है। पत्थरों को चीरकर बहती नदी की आवाज दूर-दूर तक सुनाई देती है वही गर्मी आते-आते सूख जाती है। यह नदी चोरल नदी की ही नहर है जिसे प्रकृति ने ही मार्ग दिया है। पर इसे सुकड़ी नदी कहा जाता है। संभवत- इसे यह नाम इसलिए मिला क्योंकि यह नदी चोरल से निकलने के बाद जैसे-जैसे आगे बढ़ती जाती है सिकुड़ती जाती है। वैसे इन दिनों यदि आप यहां जाते हैं तो नदी के निर्मल जल का आनंद लेने का मौका आपको मिल जाएगा।

नगर निगम को चुंगी क्षतिपूर्ति के रूप में केंद्र से जितना मिलना है उसका आधा भी नहीं मिल रहा

सिटी चीफ इन्दौर

नगर निगम को चुंगी क्षतिपूर्ति के रूप में जितनी राशि मिलना चाहिए उससे आधी राशि भी उसे नहीं मिल रही है। मजबूरी में नगर निगम को केंद्र द्वारा निर्धारित राशि से साढ़े तीन गुना ज्यादा वसूली करना पड़ रही है। बावजूद इसके शहर की जनता को ये सुविधाएं उपलब्ध नहीं हो पा रही हैं। इस मुद्दे को लेकर हाई कोर्ट में चल रही जनहित याचिका में शुक्रवार को बहस पूरी हो गई। सभी पक्षकारों को सुनने के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया।नगर निगम और शासन याचिका को आधारहीन तथ्यों पर आधारित बताकर निरस्त करने की मांग कर चुके हैं जबकि याचिकाकर्ता का कहना है कि

निगम और शासन मिलकर जनता के साथ धोखा कर रहे हैं। निगम बकाया चुंगी क्षतिपूर्ति की मांग करने के बजाय जनता पर करों का भार बढ़ा रहा है। **यह है मामला** हाई कोर्ट में चल रही इस जनहित याचिका में कहा है कि नगर निगम सड़क, पानी, स्ट्रीट लाइट, सफाई, यातायात प्रबंधन, स्टार्म वाटर लाइन, सीवरेज, लोक परिवहन के नाम पर केंद्र द्वारा निर्धारित रकम से साढ़े तीन गुना वसूली कर रहा है। इन आठ सुविधाओं में से चार सेवाएं जनता को आधी-अधूरी ही मिल रही हैं, जबकि बाकी चार सेवाओं का तो शहर में अता-पता ही नहीं है। याचिका किशोर कोडवानी ने दायर की है। उनका कहना है कि केंद्र ने उपरोक्त आठ सुविधाओं के लिए अधिकतम 1806 रुपये निर्धारित किए हैं। यानी नगर निगम को नागरिकों से अधिकतम 1806 रुपये लेकर उन्हें यह सुविधाएं उपलब्ध करवाना है, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है। वर्तमान में इंदौर नगर निगम इन सुविधाओं के लिए 6299 रुपये खर्च कर रहा है जबकि आमजन से इन सुविधाओं के बदले में 6513 रुपये वसूल रहा है।

पीएनजी पर सबसे ज्यादा टैक्स, जमीन पर नहीं मिल रहा उद्योगों को हक

सिटी चीफ इन्दौर

प्रदेश के अनुपूरक बजट में 30 हजार करोड़ से ज्यादा के आवंटन किए जा रहे हैं। प्रदेश के उद्योगपति-व्यापारी उम्मीद कर रहे हैं कि हजारों करोड़ के प्रस्तावों में उनका भी ध्यान रखा जाएगा। पीएनजी पर मप्र देश में सबसे ज्यादा टैक्स लेने वाला राज्य बन चुका है। उद्योग सवाल कर रहे हैं कि ऐसे में प्रदूषण रहित ईंधन को बढ़ावा कैसे मिलेगा। प्रदेश के उद्योगों को अब तक उनकी जमीन पर हक नहीं दिया जा रहा है। इसका नतीजा है कि उद्योगों की बैलेंस शीट कमजोर हो रही है। दाल उद्योग और खाद्यान्न व्यापारी परेशान है कि चार-पांच वर्षों से वे मंडी टैक्स की विसंगती पर आवाज बुलंद कर रहे हैं,लेकिन हल कुछ नहीं निकला। 12 फरवरी के बजट में मोहन सरकार से ऐसी तमाम मांगों और मुद्दों के निराकरण की उम्मीद प्रदेश का उद्योग जगत कर रहा है।प्रदेश की औद्योगिक-व्यवसायिक राजधानी इंदौर सहित अन्य क्षेत्रों में बीते वर्षों में प्रशासन ने उद्योगों में प्रदूषण रहित ईंधन की मुहिम चलाई थी। एयर क्वालिटी इंडेक्स सुधारने के लिए शहर से लेकर औद्योगिक क्षेत्रों में उपयोग होने वाले बायलर में लकड़ी-कोयला और धुंआ पैदा करने वाले जीवाष्म ईंधन प्रतिबंधित कर दिए गए। उद्योगों ने इस पर अमल किया और बायलर बदल

लिए। अब उद्योग परेशान है क्योंकि प्रदूषण रहित ईंधन की ओर उठाया उनका सकारात्मक कदम सरकारी नीतियों की वजह से उन्हें महंगा पड़ रहा है। दरअसल पाइप के जरिए उद्योगों तक भेजी जा रही प्राकृतिक गैस (पीएनजी) पर मप्र सबसे ज्यादा टैक्स वसूल रहा है। एसोसिएशन आफ इंडस्ट्रीज मप्र (एआइएमपी) के अध्यक्ष योगेश मेहता कहते हैं पीएनजी पर महाराष्ट्र में 4 प्रतिशत वैट (टैक्स) लगता है। मप्र में पीएनजी पर सरकार 13 प्रतिशत वैट वसूल रही है। जीएसटी लागू होने के बाद पेट्रोल, गैस और शराब ये तीन वस्तुएं ही हैं जिन पर वैट लागू होता है। इसका असर ये है कि उद्योगपति गैस पर 13 प्रतिशत टैक्स तो चुका रहा है लेकिन उसका टैक्स क्रेडिट उसे नहीं मिल रहा है। वैट के चुकाए टैक्स को वह जीएसटी में समायोजित नहीं कर पा रहा। एसोसिएशन ने तमाम उद्योगों की ओर से सरकार को ज्ञापन भेजा है कि ईंधन से वैट कम किया जाए। इससे प्रदेश के उद्योगों की उत्पादन लागत तो घटेगी ही वे प्रदूषण रहित ईंधन अपनाने के लिए प्रेरित भी होंगे। अटकी है उद्योगों की सब्सिडी प्रदेश सरकार नए उद्योगों को स्थापित करने पर विभिन्न योजनाओं में सब्सिडी देती है। कृषि आधारित फूड प्रोसेसिंग, रोजगार सृजन और ऐसे ही आधार पर सब्सिडी का प्रविधान है। घोषणा के बाद भी उद्योगों को सब्सिडी की राशि जारी नहीं हो रही।एआइएमपी के आंकड़े बता रहे हैं कि इंदौर में ही 200 उद्योग सब्सिडी जारी नहीं होने से परेशान है। देरी से जारी हो रही सब्सिडी उद्योगों को प्रदेश की नीतियों के प्रति अविश्वास पैदा कर रहे हैं। इसी के साथ उनका संचालन भी मुश्किल हो रहा है। बजट में सब्सिडी के लिए न केवल मद आवंटित हो बल्कि बिना लालफीताशाही के उद्योगों तक उनका पैसा पहुंचने की व्यवस्था भी सुनश्चित हो। बैलेंस शीट हो रही कमजोर प्रदेश के उद्योग जिन्हें दशकों पहले सरकार ने जमीन आवंटित की थी। वे प्रीमियम राशि से लेकर लीज रेंट तक चुका रहे हैं। लेकिन उद्योगों को जमीन पर हक नहीं दिया गया है। उद्योगपति और एआइएमपी के पूर्व अध्यक्ष प्रमोद डफरिया कहते हैं इसका असर ये है कि बैंक गारंटी से लेकर लोन तक में उद्योगों के जमीन का मूल्य शामिल नहीं हो रहा। उद्योगों की बैलेंस शीट इससे कमजोर हो रही है। जबकि सरकार फ्री होल्ड में एक मुश्त पैसा लगातर न केवल राजस्व जुटा सकती है बल्कि कई बंद उद्योगों को नए सिरे से शुरू करवाने का रास्ता भी निकाल सकती है। दाल-कपास उद्योग परेशान मालवा-निमाड़ में बीते वर्षों में करीब 250 दाल उद्योग थे। उनकी संख्या घटकर 175 रह गई है। एसोसिएशन के अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल के अनुसार मप्र में सबसे ज्यादा मंडी टैक्स 1.20 रुपये प्रति सैकड़ा लगता है। यह मंडी टैक्स आयातित दलहन-अनाज पर भी लगाया जा रहा है। नतीजा है कि यहां दाल व अन्य उत्पादों की लागत बढ़ रही है। उद्योग अन्य प्रदेशों में शिफ्ट हो रहे हैं। चार वर्षों से उद्योग संघर्ष कर रहे हैं। मंत्री आश्वासन दे रहे हैं लेकिन मंडी टैक्स को युक्ति संगत नहीं किया जा रहा।

शहीद भवन में नाटक महा परमवीर का मंचन, मानस भवन में संगीतमय

सिटी चीफ भोपाल

शहर में कलात्मक, सांस्कृतिक, सामाजिक, खेल, धार्मिक आदि गतिविधियों का सिलसिला निरंतर चलता रहता है। शनिवार 10 फरवरी को भी शहर में ऐसी अनेक गतिविधियों का आयोजन होने जा रहा है, जिनका आप आनंद उठा सकते हैं। यहां हम कुछ ऐसे ही चुनींदा कार्यक्रमों की जानकारी पेश कर रहे हैं, जिसे पढ़कर आपको अपनी दिन की कार्ययोजना बनाने में आसानी होगी।माह का प्रादर्श – इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय ने फरवरी माह के प्रादर्श के तहत भूटिया समुदाय के आध्यात्मिक उपकरण फुरबा को प्रदर्शित किया है। वीथि संकुल में इसे सुबह 11 बजे से शाम छह बजे तक देखा जा सकता है। चित्र प्रदर्शनी – मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय की लिखंदरा दीर्घा में गोंड चित्रकार संतू तेकाम के चित्रों की प्रदर्शनी सह-विक्रय का संयोजन किया जा रहा है। इस प्रदर्शनी को दोपहर 12 बजे से रात आठ बजे तक देखा जा सकता है। लोककला प्रदर्शनी – इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय द्वारा भारत

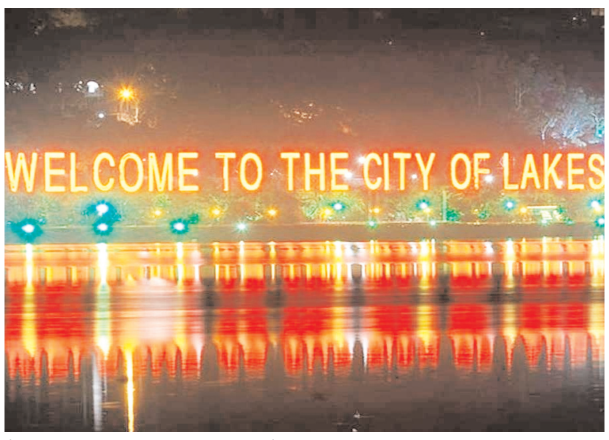

के लोग नामक प्रदर्शनी श्रृंखला के अंतर्गत झारखंड के सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन पर केंद्रित प्रदर्शनी आवृति भवन में सजाई गई है। इस प्रदर्शनी के जरिए मुंडा, संथाल, उरांव, बिरहोर, भूमिज, माल पहाड़िया, असुर, हो एवं गोंड जनजाति से संबंधित इंगारामासं के वैविध्यपूर्ण संकलन को दर्शाते हुए झारखंड के सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन की झलक के प्रस्तुतीकरण का प्रयास है। प्रदर्शनी को सुबह 11 बजे से देखा जा सकता है। बाग प्रिंट प्रदर्शनी – धार जिले के बाग और कुक्षी में रहकर छपाई की परंपरा को आगे बढ़ा रहे शिल्पियों ने गौहर महल में बाग प्रिंट प्रदर्शनी लगाई है। 12 फरवरी तक चलने वाली इस प्रदर्शनी को दोपहर 12 बजे से देखा जा सकता है। श्रीमद्भागवत कथा- मानस भवन में आज से एक सप्ताह तक संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन होगा। 16 फरवरी तक चलने वाले इस आयोजन में रोज अपराह्न तीन घंटे अखिल भारतीय मानस संघ धर्म अध्यक्ष पंडित रामकृपालु उपाध्याय महाराज कथा सुनाएंगे। समय दोपहर 2-30 बजे सायं 5-30 बजे तक है। क्लासिक फिल्म प्रदर्शन – सिने क्लासिक के तहत शिवाजी नगर स्थित महिला चेतना मंच के सभा कक्ष में फिल्म ओपनहाईमर का प्रदर्शन शाम छह बजे से किया जाएगा। दर्शकों के लिए प्रवेश निश्शुल्क है। अंत में फिल्म पर चर्चा भी होगी। जनयोद्धा नाट्य समारोह – स्वराज संस्थान संचालनालय द्वारा 09 से 15 फरवरी तक प्रतिदिन शाम 6.30 बजे से शहीद भवन में आयोजित जनयोद्धा राष्ट्रीय नाट्य समारोह में प्रतिष्ठित नाट्य निर्देशकों सहित मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय ,भोपाल द्वारा समारोह के लिए विशेष रूप से तैयार नाटक मंचित किए जा रहे हैं। सात दिवसीय जनयोद्धा राष्ट्रीय नाट्य समारोह में आज दूसरे दिन अशोक बांठिया एवं कुलविंदर बक्शीश सिंह मुंबई द्वारा निर्देशित नाटक महा परमवीर मंचित होगा।

लीनिएज समारोह – कुक्कुट भवन, कोटरा के सभागार में लीनियेज के शुभारंभ अवसर पर शाम 6.30 बजे से पं. हरिप्रसाद चौरसिया के शिष्य संतोष संत का बांसुरी वादन और कोलकाता की गायिका रोजी दत्ता का गायन होगा।

गाड़ी लेकर बाजार जाना हुआ महंगा

घंटे के हिसाब से देना होगा पार्किंग शुल्क, नगर निगम ने तय की नई दरें

सिटी चीफ भोपाल

अब शहर के बाजारों में दोपहिया एवं चारपहिया वाहनों से जाना महंगा हो गया है। दरअसल आर्थिक तंगी से जूझ रहे नगर निगम ने एक बार फिर से पार्किंग शुल्क तय कर दिया है। प्रीमियम पार्किंग का मासिक पास बनवाने के लिए चार पहिया वाहन चालकों को साढ़े तीन हजार रुपये देना होंगे। तो वहीं दोपहिया वाहन चालकों को एक घंटे के 10 रुपये चुकाना होंगे। इसी तरह सामान्य पार्किंग में भी एक घंटे के दोपहिया वाहन चालकों को पांच रुपये और चारपहिया वाहन चालकों को 10 रुपये शुल्क देना होगा। जानकारी के अनुसार अपर आयुक्त टीना यादव ने शुक्रवार को स्थायी आदेश जारी किया है, जिसमें पूर्व में निर्धारित दोपहिया एवं चारपहिया वाहन के लिए प्रीमियम पार्किंग शुल्क की दरें और सामान्य पार्किंग शुल्क की दरें अधिक्रमित करते हुए नई दरें निर्धारित की गई हैं।प्रीमियम पार्किंग शुल्क की दरें तय की गई हैं, जिसके अनुसार चार पहिया वाहन का एक घंटे का शुल्क 30 रुपये, दो घंटे का 50 रुपये, दो से चार घंटे का 70 रुपये, चार से आठ घंटे का 90 रुपये और आठ से 12 घंटे का 110 रुपये तय

किया गया है। साथ ही 12 घंटे के बाद प्रति घंटा 20 रुपये देना होगा। वहीं सात दिन का पास 1500 रुपये में और मासिक पास 3500 रुपये में मिलेगा। जबकि सामान्य पार्किंग में चार पहिया वाहन का सात दिन का पास एक हजार रुपये में मिलेगा। वहीं एक से दो घंटे के 10 रुपये, दो से चार के 20 रुपये, चार से आठ के 20 रुपये, आठ से 12 के 40 रुपये शुल्क लगेगा। जबकि 12 घंटे के बाद हर घंटे के हिसाब से 10 रुपये तय किया गया है। वहीं मासिक पास ढाई हजार रुपये का बनेगा। दोपहिया वाहन पार्किंग के देना होंगे इतने रुपये प्रीमियम पार्किंग में दो पहिया वाहन खड़ा करने के लिए मासिक पास 900 रुपये में बनाया जाएगा। जबकि एक घंटे के 10 रुपये देने होंगे। जबकि सामान्य पार्किंग में एक घंटा का शुल्क पांच रुपये तय किया गया है। इसी तरह प्रीमियम पार्किंग में एक से दो घंटे के लिए 20 रुपये, दो से चार के लिए 30 रुपये चार से आठ के लिए 40 रुपये, आठ से 12 के लिए 50 रुपये और 12 घंटे के बाद हर घंटे के हिसाब से 10 रुपये देना होंगे। जबकि सात दिन का पास 300 रुपये में मिलेगा। वहीं दो पहिया वाहन के लिए सामान्य पार्किंग में दो से चार घंटे के 10 रुपये, चार से आठ घंटे के 15 रुपये, आठ से 12 घंटे के 20 रुपये और 12 घंटे के बाद प्रति घंटे पांच रुपये शुल्क लगेगा। जबकि सात दिन का पास 100 रुपये में और मासिक पास 300 रुपये में बनाया जाएगा।

ठिठुरन से मामूली राहत, उछला दिन-रात का पारा, जानिए आगे कैसा रहेगा मौसम

सिटी चीफ भोपाल

भोपाल। प्रदेश के आसपास फिलहाल कोई मौसम प्रणाली सक्रिय नहीं है। हवाओं का रुख उत्तरी एवं उत्तर-पूर्वी है। पिछले दिनों उत्तर भारत के पर्वतीय इलाकों में भारी बर्फबारी हुई है। वहां से आ रही सर्द हवाओं ने प्रदेश में भी सिहरन बढ़ा दी है। राजधानी भोपाल की अगर बात करें तो पिछले चौबीस घंटों के दौरान लोगों को ठिठुरन से मामूली राहत मिली। दिन में अच्छी धूप खिलने के साथ अधिकतम तापमान में इजाफा हुआ तो वहीं रात का पारा भी लगातार चार दिन की गिरावट के बाद एक बार फिर उछला।पारे में मामूली उछाल मौसम विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक भोपाल में शुक्रवार को अधिकतम तापमान 25.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो पिछले दिन के मुकाबले 1.8 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। हालांकि यह सामान्य से 2.1 डिग्री कम रहा। वहीं शनिवार को भोपाल में न्यूनतम तापमान 11.1 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया, जो सामान्य से 1.3 डिग्री कम लेकिन पिछले दिन के न्यूनतम तापमान के मुकाबले 2.1 डिग्री अधिक रहा। मौसम विभाग के मुताबिक अगले एक-दो दिन शहर के मौसम में खास बदलाव

के आसार नहीं है। तापमान में क्रमिक बढ़ोतरी के साथ लोगों को ठिठुरन से कुछ और राहत मिल सकती है। कल से बदलेगा मौसम मौसम विज्ञान केंद्र के पूर्व वरिष्ठ विज्ञानी अजय शुक्ला ने बताया कि उत्तर भारत के पहाड़ों पर पिछले दिनों जबरदस्त बर्फबारी हुई थी। इस वजह से वहां का तापमान काफी कम बना हुआ है। पश्चिमी विक्षोभ के उत्तर भारत से आगे बढ़ने के कारण हवाओं का रुख भी फिलहाल उत्तरी व उत्तर-पूर्वी है। सर्द हवाओं के असर से प्रदेश में लगातार सिहरन बनी हुई है। 11 फरवरी से विपरीत दिशाओं की हवाओं (उत्तरी-दक्षिणी) का संयोजन होने के कारण प्रदेश के कुछ हिस्सों बादल छाने लगेंगे। इसके साथ-साथ कुछ जिलों में वर्षा होने का क्रम भी शुरू हो सकता है।

नगर निगम परिषद की बैठक आज, पेश होगा अंतरिम बजट

सिटी चीफ भोपाल

नगर निगम परिषद का साधारण सम्मिलन शनिवार को सुबह 11 बजे आइएसबीटी स्थित मुख्यालय के सभागार में आयोजित किया जाएगा। इस दौरान कार्य सूची में सम्मिलित विषयों पर चर्चा की जाएगी। साथ ही महापौर मालती राय द्वारा वर्ष 2024-25 का अंतरिम बजट परिषद के विचार एवं चर्चा करने के लिए प्रस्तुत किया जाएगा। बताया जा रहा है कि आगामी लोकसभा चुनाव के कारण अगले वित्त वर्ष की पहली तिमाही के जरूरी खर्चे पूरे करने के लिए इस बजट में प्रविधान किए गए हैं। इस

अंतरिम बजट में महापौर, परिषद अध्यक्ष और पार्षद निधि जैसे प्रविधान नहीं होंगे। लोकसभा चुनाव के बाद आने वाले पूर्ण बजट में विकास कार्यों के लिए प्रविधान होंगे

भोपाल में पांच साल में 1,077 दुष्कर्म के केस

2 हजार 234 लोगों ने की आत्महत्या, मोहन सरकार ने विधानसभा में दी जानकारी

सिटी चीफ भोपाल

भोपाल में पांच साल में नाबालिगों के साथ दुष्कर्म की एक हजार 77 घटनाएं हुई हैं। वहीं जिले में 2,234 लोगों ने आत्महत्या की। भोपाल शहर में 836 और भोपाल ग्रामीण क्षेत्र में 162 नाबालिगों के साथ दुष्कर्म हुआ। यह जानकारी शुक्रवार को विधानसभा में भाजपा विधायक उमाकांत शर्मा के प्रश्न के लिखित उत्तर में

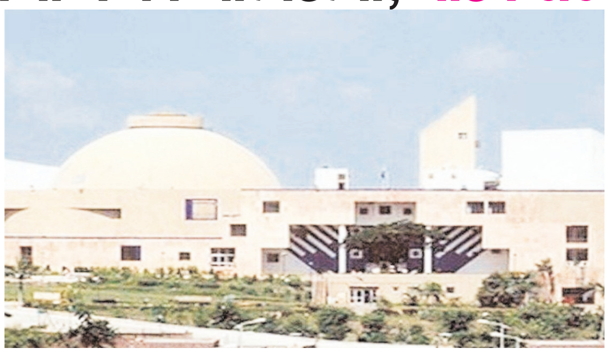

मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने दी। इसमें बताया गया कि 17 दिसंबर 2018 से 19 जनवरी 2024 तक भोपाल शहर में 970 और भोपाल ग्रामीण में 107 दुष्कर्म के प्रकरण दर्ज किए गए। भोपाल शहर में 2127 और भोपाल ग्रामीण क्षेत्र में 107 आत्महत्या के मामले सामने आए।ऐसा है अन्य अपराधों का ग्राफ पांच वर्ष में भोपाल शहर में 2 हजार 674 नाबालिगों (लड़के-लड़कियों) का अपहरण हुआ। इनमें से 108 बरामद नहीं हुए। अपहरण की घटनाएं शहरी क्षेत्र में अधिक हुईं। महिलाओं पर अत्याचार की 5 हजार 675 घटनाएं दर्ज की गईं। भोपाल शहर में 10 हजार 238 चोरी, 330 लूटपाट, छह डकैती, 256 हत्या, मारपीट के 27 हजार 890 और फिरौती के छह मामले दर्ज हुए।

सेहत में सुधार के बाद सिमी के दोनों बंदियों को जेपी से वापस जेल के अस्पताल में किया भर्ती

सिटी चीफ भोपाल

राजधानी में स्थित सेंट्रल जेल में बंद प्रतिबंधित संगठन प्रतिबंधित संगठन स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट आफ इंडिया (सिमी) के चार सदस्य विभिन्न मांगों को लेकर आठ जनवरी से भूख हड़ताल कर रहे हैं। उनमें से दो की हालत बिगड़ने पर उन्हें गुरुवार शाम को जयप्रकाश अस्पताल में भर्ती किया गया था। चिकित्सकों ने उन्हें 24 घंटे तक निगरानी में रखा। सेहत में सुधार होने के बाद शुक्रवार शाम को दोनों को फिर से सेंट्रल जेल भेज दिया गया। चारों फिलहाल जेल के अस्पताल में भर्ती हैं।गुरुवार को सेंट्रल जेल से अबू फैसल और कमरूद्दीन को कड़ी सुरक्षा में लाकर जेपी अस्पताल के सी-ब्लाक स्थित प्राइवेट वार्ड में भर्ती किया गया था। सुरक्षा और निगरानी के लिए वहां कई सीसीटीवी लगाने के साथ एक सुरक्षा दीवार भी खड़ी कर दी गई थी। इसके अलावा प्राइवेट वार्ड के आसपास का क्षेत्र पुलिस छावनी बन गया था। सादा वर्दी में भी कई पुलिसकर्मी वहां लगातार गश्त कर रहे थे। किसी भी व्यक्ति के वहां जाने पर पाबंदी लगा दी गई थी। शुक्रवार दोपहर कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने जेपी अस्पताल पहुंचकर सुरक्षा इंतजाम की जानकारी ली थी। इन मांगों को लेकर कर रहे भूख हड़ताल जानकारी के मुताबिक सिमी के ये आतंकी विभिन्न मांगों को लेकर आठ जनवरी से भूख हड़ताल पर हैं। जेल में यहां सिमी गुट के कुल 23 लोग बंद हैं। इनमें से सिर्फ दो विचाराधीन हैं। शेष 21 को सजा हो चुकी हैं। इनमें से छह को फांसी की सजा सुनाई जा चुकी है। 23 में चार अबू फैसल, कमरूद्दीन, शिवली और कामरान ने भूख हड़ताल कर रखी है। इनकी मांग है कि इन्हें सामूहिक रूप से नमाज पढ़ने की अनुमति दी जाए। हर दिन अखबार पढ़ने को मिले। जेल की सेल में लायब्रेरी की व्यवस्था की जाए। उन्हें आम बंदियों की तरह जेल परिसर में टहलने की अनुमति दी जाए। उन्हें हाथ घड़ी दी जाए। जेल प्रबंधन के मुताबिक सभी खूखांर अपराधी हैं। उनकी इस तरह की मांगें को जेल की सुरक्षा की दृष्टि से गैरकानूनी और खतरनाक हैं। तरल भोजन छोड़ने से बिगड़ी थी तबीयत जेल प्रबंधन से मिली जानकारी अनुसार सिमी गुट के चार लोग आठ जनवरी से हड़ताल पर हैं। शुरूआत में यह तरल भोजन ले रहे थे। पिछले एक सप्ताह से इन लोगों ने तरल भोजन लेना भी बंद कर दिया था। जिससे इनकी तबीयत बिगड़ गई थी। गुरुवार को हमीदिया व जेपी अस्पताल के चिकित्सकों द्वारा जेल में ही इनका परीक्षण किया गया तो पाया कि उनके स्वास्थ्य में गिरावट आ रही है। चिकित्सकों की सलाह पर जेल प्रबंधन ने अबू फैसल और कमरूद्दीन को जेपी अस्पताल में भर्ती कराया था।

अमरावती से फरार दुष्कर्म का आरोपित ढोंगी बाबा भोपाल में गिरफ्तार

सिटी चीफ भोपाल

राजधानी में रेलवे स्टेशन के पास एक होटल में रुके कथित तांत्रिक को अमरावती पुलिस ने मंगलवारा थाना पुलिस के सहयोग से गिरफ्तार कर लिया। बाबा पर झाड़-फूंक का झांसा देकर कई महिलाओं के साथ दुष्कर्म करने का आरोप है। अमरावती पुलिस को दुष्कर्म के एक मामले में उसकी तलाश थी।आरोपित ने कई महिलाओं को बनाया शिकार मंगलवारा थाना पुलिस के मुताबिक अमरावती निवासी गुरदास बाबा उर्फ सुनील जानराव कावलकर पर अमरावती में दुष्कर्म के कई मामले दर्ज हैं। वह वहां से फरारी काटने के लिए भोपाल आकर तुलसी लाज में रुका हुआ था। इस दौरान उसने अपना हुलिया भी बदल लिया था। अमरावती पुलिस की सूचना पर भोपाल पुलिस भी सरगर्मी से उसकी तलाश में जुटी थी। आखिरकार उसे रेलवे स्टेशन के पास स्थित एक होटल से उसे खोज निकाला। अमरावती पुलिस उसे हिरासत में लेकर अपने साथ ले गई है। बताया जा रहा है कि जबलपुर की एक महिला की शिकायत पर भी इस बाबा के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है। बाबा पर आरोप है कि एक व्यक्ति का नशा छुड़ाने का झांसा देकर बाबा ने तीन माह तक उस व्यक्ति की पत्नी के साथ ज्यादती की थी।

लोक सभा प्रत्याशी निर्धारित करने के लिए कांग्रेस की स्क्रीनिंग कमेटी में हुआ मंथन

समन्वयकों ने सौंपी रिपोर्ट

सिटी चीफ भोपाल

लोकसभा चुनाव के लिए प्रत्याशियों के नाम निर्धारित करने के लिए शुक्रवार को दिल्ली में कांग्रेस की स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक हुई। कमेटी की अध्यक्ष रजनी पाटिल ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के साथ सभी 29 लोकसभा सीटों के संभावित प्रत्याशियों के नाम पर चर्चा की। 14 फरवरी को फिर बैठक हो सकती है। इसके बाद केंद्रीय चुनाव समिति को नाम प्रस्तावित किए जाएंगे।समन्वयकों ने सौंपी रिपोर्ट कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के लिए संभावित प्रत्याशियों के नाम की सूची तैयार करने की जिम्मेदारी 29 समन्वयकों को दी थी। विधानसभावार वरिष्ठ नेताओं और पदाधिकारियों के साथ बैठकें करने के बाद समन्वयकों ने अपनी रिपोर्ट प्रदेश कांग्रेस को सौंप दी है। कुछ सीटों के लिए एकल नाम हैं तो कुछ स्थानों पर अधिक नाम सामने

आए हैं। भोपाल में स्क्रीनिंग कमेटी समन्वयकों के साथ बैठक करने के अलावा दावेदारों से मुलाकात कर चुकी है। उधर, प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी जितेंद्र सिंह, प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने ग्वालियर, उज्जैन और भोपाल संभाग में आने वाले लोकसभा क्षेत्रों की बैठक करके संभावित प्रत्याशियों को लेकर कार्यकर्ताओं से जानकारी ली। इसके बाद शुक्रवार को दिल्ली में बैठक हुई। बताया जा रहा है कि 14 फरवरी को फिर बैठक होगी और जिन सीटों के लिए एकल नाम पर सहमति बनेगी, उनके नाम केंद्रीय चुनाव समिति को प्रस्तावित कर दिए जाएंगे। पार्टी का प्रयास है कि फरवरी में कुछ सीटों के प्रत्याशी घोषित कर दिए जाएं।

संपादकीय

भारत रत्नः पीएम मोदी का मास्टर स्ट्रोक...स्पष्ट हैं इसके राजनीतिक संदेश

आर्थिक सुधारों, कृषि और कृषि विज्ञान क्षेत्र के दिग्गजों को देश के सर्वोच्च सम्मान 'भारत रत्न' से नवाज कर प्रधानमंत्री मोदी ने एक मास्टर स्ट्रोक खेला है, जिसके राजनीतिक संदेश स्पष्ट हैं।भारत रत्न का सम्मान दिए जाने और न दिए जाने के पीछे हमेशा से राजनीति होती रही है। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने इसे नया अर्थ और प्रासंगिकता दी है। प्रणब मुखर्जी, भूपेन हजारिका और नानाजी देशमुख हों या फिर लालकृष्ण आडवाणी और कर्पूरी ठाकुर, यह उन लोगों को सम्मानित करने की मोदी की राजनीति के स्पष्ट संकेत थे, जिन्हें कांग्रेस द्वारा नजर अंदाज और तिरस्कृत किया गया था। पूर्व प्रधानमंत्रियों पीवी नरसिम्हा राव और चौधरी चरण सिंह के साथ कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन को भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिए जाने की मोदी की नवीनतम घोषणा से यह पता चलता है कि उनकी सरकार भारत की समकालीन राजनीति और अर्थव्यवस्था में इन तीनों हस्तियों की भूमिका को कितना महत्व देती है। इन्हें क्रमशः पहली पीढ़ी के आर्थिक सुधारों, किसानों के हितों की वकालत करने वाले और बेहतर खाद्य उत्पादकता और सुरक्षा के लिए विज्ञान का उपयोग करने वाले चैंपियन के रूप में देखा जाता है। दिलचस्प यह है कि ये सभी 2024 के चुनावों के लिए नरेंद्र मोदी के अभियान के पसंदीदा विषय हैं। दरअसल, महान कृषि वैज्ञानिक डॉ. एमएस स्वामीनाथन को यह पुरस्कार 1960 के दशक में भारत के खाद्य संकट को खत्म करने के लिए हरित क्रांति को लाने में उनकी बड़ी भूमिका को मान्यता देता है। यह स्वामीनाथन की रणनीति ही थी, जिसकी बदौलत भारत के कृषि उत्पादन में अभूतपूर्व वृद्धि देखी गई। अमेरिकी कृषि वैज्ञानिक नॉर्मन बोरलॉग के सहयोग से बतौर वैज्ञानिक उनके काम के परिणामस्वरूप पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसानों को उच्च उपज की किस्म वाले बीज, पर्याप्त सिंचाई सुविधाएं और उर्वरक उपलब्ध कराए गए। वर्षों बाद, 2004 से 2006 के बीच राष्ट्रीय किसान आयोग के अध्यक्ष के रूप में डॉ. स्वामीनाथन ने सिफारिश की थी कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी), जिस पर किसान अपनी फसलें सरकार को बेचते हैं, वह औसत उत्पादन लागत से कम से कम 50 फीसदी ज्यादा होना चाहिए। डॉ. स्वामीनाथन के योगदान का महत्व इस तथ्य से समझा जा सकता है कि आज ऐसा कोई दिन नहीं बीतता, जब किसानों के संघ कानूनी गारंटी के रूप में सभी उपज के लिए एमएसपी निर्धारित करने के लिए स्वामीनाथन फॉर्मूले को लागू करने की मांग न करते हों। यह महज संयोग तो नहीं हो सकता कि स्वामीनाथन को पुरस्कार तब दिया गया है, जब उपज की खरीद के लिए कानूनी गारंटी और बिजली के बिलों में संशोधन सहित अपनी लंबित मांगों के समर्थन में संयुक्त किसान मोर्चा और ट्रेड यूनियनों द्वारा अखिल भारतीय हड़ताल का आह्वान किया गया है। दूसरी तरफ, चुनावी वर्ष में नरसिम्हा राव और चरण सिंह को भारत रत्न पुरस्कार महज उनके योगदान को मान्यता नहीं है, बल्कि यह मतदाताओं की याददाश्त को ताजा करने का मोदी का तरीका है कि कैसे उन्होंने नेहरू-गांधी परिवार को चुनौती दी थी, जिससे सोनिया और राहुल गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस के बारे में भाजपा का जो नैरेटिव रहा है, उसे ही मजबूती मिलती है। इससे पहले वरिष्ठ भाजपा नेता लाल कृष्ण आडवाणी और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने की घोषणा की गई थी। आडवाणी भाजपा के राम मंदिर आंदोलन का चेहरा थे, जिन्होंने 1992 के उन दृश्यों को देखा था, जब भीड़ द्वारा विवादित ढांचे को गिरा दिया गया था। कालांतर में इस आंदोलन ने एक लंबी कानूनी लड़ाई का रूप लिया, जिसकी परिणति सर्वोच्च न्यायालय के उस फैसले के रूप में हुई, जिसने भव्य मंदिर खोलने का मार्ग प्रशस्त किया। कर्पूरी ठाकुर की भूमिका तो और भी महत्वपूर्ण है। वह सिर्फ ओबीसी राजनीति का चेहरा नहीं थे, बल्कि कांग्रेस के कट्टर आलोचक और बिहार में कांग्रेस विरोधी आंदोलन का गढ़ भी थे। बिहार के पहले ओबीसी मुख्यमंत्री के तौर पर ठाकुर राज्य में ओबीसी के लिए कोटा शुरू करने वाले पहले व्यक्ति थे। नरसिम्हा राव नेहरू-गांधी परिवार से बाहर के पहले कांग्रेसी प्रधानमंत्री थे। उन्होंने 1991 में उदारीकरण की पहली लहर शुरू करने का राजनीतिक साहस दिखाया और 1996 तक बदलावों के लिए काम करते रहे, जब तक कि उनकी सरकार चुनाव हार नहीं गई। प्रधानमंत्री के रूप में अपने चुनौतीपूर्ण वर्षों के दौरान राव ने उस वक्त सोनिया गांधी के नजदीकी समझे जाने वाले शरद पवार और अर्जुन सिंह जैसे कांग्रेसी नेताओं की चुनौतियों का भी सामना किया। राव के कार्यकाल में गांधी परिवार और उनके समर्थकों के प्रभाव को कम किया गया, जिससे वह समकालीन कांग्रेस विरोधी नेताओं के लिए नायक बने। अयोध्या में विवादित ढांचे को बचाने में कथित विफलता के लिए सोनिया गांधी और दूसरे कांग्रेसी नेताओं ने राव को दोषी ठहराया, पर एक सुधारवादी के रूप में उनका कौशल इन सब पर हावी रहा। 1996 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस के जीतने में विफल रहने पर सोनिया गांधी और उनके वफादार नेताओं ने खुले तौर पर राव की विरासत को अस्वीकार कर दिया, जिस कारण देवगौड़ा और गुजराल के नेतृत्व में एक गठबंधन हुआ, जिसे कांग्रेस ने बाहर से समर्थन दिया। हालांकि दिसंबर, 2004 में अपनी मृत्यु तक राव डॉ. मनमोहन सिंह जैसे अपने वफादार नेताओं के लिए आदरणीय और अविभाजित आंध्र प्रदेश के लोगों के लिए राज्य के गौरवशाली पुत्र बने रहे। भाजपा का दावा है कि उनके पार्थिव शरीर को कांग्रेस मुख्यालय में रखने की अनुमति न देकर कांग्रेस नेतृत्व ने उनका अपमान किया। राव को भारत रत्न सम्मान देने की घोषणा तब हुई है, जब आगामी अप्रैल-मई में लोकसभा चुनावों के साथ आंध्र प्रदेश में विधानसभा चुनाव भी होने हैं। तेलंगाना में भी राव को भारत रत्न दिए जाने की मांग बीआरएस जैसी पार्टियां लंबे समय से करती आई हैं। चरण सिंह मामले में, जो इंदिरा गांधी द्वारा केवल 24 सप्ताह के लिए प्रधानमंत्री बनाने के लिए दिए गए समर्थन के झांसे में आ गए थे, यह सम्मान जाट समुदाय में आज भी 'कुलक नेता' के रूप में प्रतिष्ठा के कारण उनकी प्रासंगिकता को रेखांकित करता है। उनकी राजनीति को महत्व देने वालों के लिए वह 1970 के दशक में गैर-कांग्रेसवाद का एक प्रमुख चेहरा थे और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के तौर पर किसानों के लिए उन्होंने जो किया, वह कृषि क्षेत्र के प्रति उनकी गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उनके पोते और राष्ट्रीय लोकदल के नेता जयंत चौधरी को एनडीए में शामिल करने के प्रयासों की पृष्ठभूमि में प्रधानमंत्री मोदी के इस फैसले को देखा जा सकता है।

पर्यावरणः हिमालय में कम बर्फबारी के मायने संकट के समाधान पर कारगर काम की जरूरत

इस बार पहाड़ों पर बर्फ न गिरने से हिमालयी राज्यों समेत देश भर में संकट खड़ा हो गया है। इसके लिए हमें स्थानीय मूल कारकों पर ध्यान देना होगा।क्या हिमालय की गोद में बसे भारत के कई राज्य, नेपाल और पाकिस्तान के गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र में देर से हुई बर्फबारी महज एक असामान्य घटना है या फिर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का संकेत? यह बात गौर करने की है कि बीते कुछ वर्षों में हिमालय लगातार असामान्य और चरम मौसम की चपेट में है, और इस बार बरसात ने हिमाचल प्रदेश से लेकर उत्तराखंड तक जबर्दस्त कहर ढाया था। लेकिन इस बार लगातार 45 दिन तक पहाड़ों पर बर्फ न गिरने से हिमालयी राज्य ही नहीं, शेष भारत के लिए भी संकट खड़ा हो गया है। जान लें, देर से हुई बर्फबारी से राहत तो है, पर इससे उपजे खतरे भी हैं। कश्मीर के बाशिंदों के लिए जीवकोपार्जन का मूल आधार है-जाड़े का मौसम। यहां जाड़े के कुल 70 दिन गिने जाते हैं। सत्तर दिन की बर्फबारी 15 दिन में सिमटने से दिसंबर और जनवरी में हुई लगभग 80-90 फीसदी कम बर्फबारी की भरपाई तो हो नहीं सकती। उसके बाद गर्मी शुरू हो जाने से जो थोड़ी-सी बर्फ पहाड़ों पर आई है, वह जल्दी ही पिघल जाएगी। अर्थात आने वाले दिनों में एक तो ग्लेशियर पर निर्भर नदियों में बाढ़ आ सकती है और फिर अप्रैल में गर्मी आने पर वहां पानी का अकाल हो सकता है। देश में हिमालयी क्षेत्र का फैलाव 13 राज्यों व कई केंद्रशासित प्रदेशों में है, जो करीब 2,500 किलोमीटर में फैले हुए हैं। भारत के मुकुट कहे जाने वाले हिमाच्छादित पर्वतमाला की गोदी में कोई पांच करोड़ लोग सदियों से रह रहे हैं। जलवायु परिवर्तन की मार से सर्वाधिक प्रभावित उत्तराखंड के पहाड़ जैसे अब अपना संयम खो रहे हैं। देश को सदानीरा गंगा-यमुना जैसी नदियां देने वाले पहाड़ के करीब 12 हजार प्राकृतिक स्रोत या तो सूख चुके हैं या फिर सूखने के कगार पर हैं। इस सर्दी में हिमालय, हिंदू-कुश और काराकोरम में बर्फबारी की असामान्य अनुपस्थिति के चलते गर्म तापमान रहा है। जलवायु संकट के प्रतीक ये बदलाव पर्वतीय समुदायों और हिंदू-कुश हिमालयी क्षेत्र में जल सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण खतरा पैदा करते हैं। यह समझना होगा कि सर्दियों में कम बर्फबारी का कारण अल नीनो नहीं है। अल नीनो के कारण केवल गर्मी और मानसून की बारिश प्रभावित होती है। गौरतलब है कि पहाड़ों पर रहने वाले लोग आजीविका के लिए प्राकृतिक संसाधनों पर ही निर्भर हैं। वे अपना निर्वाह खेती और पशुधन पालन से करते हैं। लगभग बर्फ रहित या देर से सर्दी का प्रभाव उन लोगों के लिए विनाशकारी हो सकता है। पूरे हिमालयी क्षेत्र में कम बर्फबारी और अनियमित बारिश से पानी और कृषि वानिकी सहित प्रतिकूल पारिस्थितिक प्रभाव पड़ने की आशंका है। अगर तापमान जल्द ही बढ़ जाता है, तो देर से होने वाली बर्फबारी और भी अधिक त्रासद होगी। गर्मी से यदि ग्लेशियर अधिक पिघले, तो आने वाले दिनों में पहाड़ी राज्यों में स्थापित सैंकड़ों मेगा वाट की जल विद्युत परियोजनाओं पर भी संकट आ सकता है। लंबे समय तक सूखे के कारण झेलम और अन्य नदियों का जल स्तर अभी से नकारात्मक सीमा में है। देश की संपन्न अर्थव्यवस्था का आधार खेती है, जो बगैर सिंचाई के हो नहीं सकती। इसके लिए अनिवार्य है कि नदियों में जल-धारा अविरल रहे, लेकिन नदियों में जल लाने की जिम्मेदारी तो उन बर्फ के पहाड़ों की है, जो गर्मी होने पर धीरे-धीरे पिघलकर देश को पानीदार बनाते हैं। साफ है कि आने वाले दिनों में न केवल कश्मीर या हिमाचल, बल्कि पूरे देश में जल संकट खड़ा होगा। ऐसे में, सवाल यह उठता है कि इस अनियमित मौसम से कैसे बचा जाए? ग्लोबल वार्मिंग या अल नीनो को दोष देने से पहले हमें ऐसे स्थानीय कारकों पर विचार करना होगा, जिससे प्रकृति कुपित है। जून, 2022 में गोविंद बल्लभ पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान द्वारा जारी रिपोर्ट एनवायरनमेंटल असेसमेंट ऑफ टूरिज्म इन द इंडियन हिमालयन रीजन में कड़े शब्दों में कहा गया था कि हिमालयी क्षेत्र में बढ़ते पर्यटन के चलते हिल स्टेशनों पर दबाव बढ़ रहा है। साथ ही पर्यटन के लिए जिस तरह से इस क्षेत्र में भूमि उपयोग में बदलाव आ रहा है, वह अपने-आप में एक बड़ी समस्या है। जंगलों का बढ़ता विनाश भी इस क्षेत्र के इकोसिस्टम पर व्यापक असर डाल रहा है। इस रिपोर्ट में हिमाचल प्रदेश में पर्यटकों के वाहनों और इसके लिए बन रही सड़कों के कारण वन्यजीवों के आवास नष्ट होने और जैव विविधता पर विपरीत असर पड़ने की बात भी कही गई थी।

विश्लेषणः पाकिस्तान का चुनावी प्रहसन जनादेश सैन्य प्रतिष्ठान के लिए चुनौती

पाकिस्तान के आम मतदाता पीटीआई उम्मीदवारों पर भरोसा जताते दिख रहे हैं, जो सैन्य प्रतिष्ठान के लिए चुनौती है। ऐसे में अगर सेना रातों-रात कोई खेल कर दे, तो आश्चर्य नहीं लगता है कि पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान में आम चुनाव के बाद भी राजनीतिक संकट जल्दी खत्म होने वाला नहीं है। अब तक घोषित नतीजों के अनुसार, पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए इंसाफ समर्थित उम्मीदवार बढ़त बनाए हुए हैं। पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की पार्टी दूसरे स्थान पर है, जबकि बिलावल भुट्टो के नेतृत्व वाली पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी तीसरे नंबर पर है। एक से अधिक सीटों से चुनाव लड़ रहे नवाज शरीफ को नेशनल एसेंबली की 15 नंबर सीट से हार का सामना करना पड़ा है और वहां इमरान खान की पार्टी पीटीआई समर्थित उम्मीदवार की जीत हुई है। नेशनल एसेंबली की 233 सीटों पर हुए चुनाव में किसी भी पार्टी को बहुमत हासिल करने के लिए 166 सीटों की जरूरत होगी। पाकिस्तान के लोग इस राजनीतिक प्रहसन को इलेक्शन (चुनाव) के बजाय सेलेक्शन (चयन) बता रहे हैं, जबकि मानवाधिकार पर्यवेक्षकों ने इसकी निंदा करते हुए कहा कि चुनाव न तो स्वतंत्र था और न ही निष्पक्ष। अमेरिका स्थित गैलप पोलिंग कंपनी ने पाया कि पाकिस्तान के लोग आर्थिक, राजनीतिक और सुरक्षा संबंधी चुनौतियों से हतोत्साहित हैं, जो उनके मुल्क की स्थिरता को खतरे में डालती हैं, और मतदान से पहले ही असंतोष रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया था। गैलप के सर्वेक्षण में कहा गया कि पाकिस्तान का राजनीतिक माहौल उतना ही निराशाजनक है, जितना आर्थिक माहौल। दस में से सात पाकिस्तानियों को इस चुनाव की निष्पक्षता पर भरोसा नहीं है। और हाल ही में लूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में आतंकवादी हमलों और पीओके एवं गिलगित बाल्टिस्तान में बढ़ते असंतोष ने सैन्य प्रतिष्ठान को हिलाकर रख दिया है। असंख्य खतरों से निपटने के लिए पाकिस्तान ने 6,50,000 से अधिक सेना, अर्धसैनिक बलों और पुलिस के जवानों को हजारों मतदान केंद्रों की सुरक्षा के लिए तैनात किया। और यह सुनिश्चित किया कि सैन्य प्रतिष्ठान अपनी इच्छा के अनुसार काम करता है। मतदान के दिन देश भर में मोबाइल और इंटरनेट सेवाएं बाधित रहीं, जिसके खिलाफ विपक्षी दलों एवं लोगों में भारी नाराजगी दिखी। पाकिस्तान के सैन्य प्रतिष्ठान ने इमरान खान की किस्मत पर ताला जड़ दिया है। लेकिन जिस तरह से पाकिस्तान के आम मतदाता पीटीआई उम्मीदवारों पर इस चुनाव में भरोसा जताते हुए दिख रहे हैं, वह पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान के लिए एक नई चुनौती है। सेना इमरान खान को समर्थन देगी, इसकी कोई संभावना नजर नहीं आती। इमरान खान ने चुनाव नतीजों में धांधली का आरोप भी लगाया है। ऐसे में अगर पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान रातों-रात कोई खेल कर दे, तो कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए। इस बात की पूरी संभावना है कि मियां नवाज शरीफ सेना द्वारा चयनित प्रधानमंत्री बन सकते हैं। पाकिस्तान के चुनाव में सभी दावेदारों का कहना है कि वे मुल्क को उस गंदगी से बाहर निकालेंगे, जो सेना के लालच और पिछली सरकारों के भ्रष्टाचार ने पैदा की है। लेकिन क्या वे ऐसा कर सकते हैं? नवाज शरीफ ने चुनाव में चाहे जो भी वादे किए हों, पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को पटरी पर नहीं ला सकते हैं। उन्होंने भारत और अमेरिका के साथ रिश्ते सुधारने का भी वादा किया है, लेकिन तुरंत उनसे कुछ खास उम्मीद नहीं की जा सकती है। पाकिस्तानी सेना चाहे जिसे भी अपनी कठपुतली के रूप में अगला प्रधानमंत्री चयनित करे, वहां सामाजिक और जातीय विभाजन इतना गहरा गया है कि कोई भी राजनीतिक मैच फिक्सिंग इसे ठीक करने में सक्षम नहीं होगी। और यह भी ध्यान रखना चाहिए कि कर्ज और राहत पैकेज पर टिकी अर्थव्यवस्था के साथ आतंकवाद को अपनी नीति का साधन बनाने से आपदा ही आएगी।

भस्म आरती में त्रिनेत्रों से सजे बाबा महाकाल, जय श्री महाकाल की गूंज से गूंजा मंदिर परिसर

विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में माघ शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा पर शनिवार तड़के भस्म आरती के दौरान चार बजे मंदिर के पट खुलते ही पंडे पुजारियों ने गर्भगृह में स्थापित प्रतिमाओं का पूजन किया। भगवान महाकाल का दूध, दही, घी, शक्कर और फलों के रस से बने पंचामृत से जलाभिषेक किया गया। कपूर आरती के बाद तीनों लोको के स्वामी बाबा महाकाल का त्रिनेत्र रूप मे श्रृंगार किया गया। इस दौरान उनके मस्तक पर बिल्व पत्र और चंद्रमा भी लगाए गए। श्रृंगार पूरा होने के बाद ज्योतिर्लिंग को कपड़े से ढांककर भस्म रमाई गई। भस्म अर्पित करने के पश्चात बाबा महाकाल को रजत मुकुट, रजत की मुंडमाल और रुद्राक्ष की माला के साथ सुगन्धित पुष्पों से बनी माला भी अर्पित की गई। इसके बाद फल और मिष्ठान का भोग भी लगाया गया। महानिर्वाणी अखाड़े की ओर से भगवान महाकाल को भस्म अर्पित की गई। भस्म आरती में बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इस दौरान मंदिर परिसर जय श्री महाकाल की गूंज से गुंजायमान हो गया।

सामंती व्यवस्था को खत्म कर हाशिये पर रहे लोगों को हक दिलाने वाले चौधरी

चौधरी चरण सिंह...किसान मसीहा और भारत रत्न के सच्चे हकदार। ऐसा राजनेता, जिनकी विरासत राजनीतिक क्षेत्र से भी परे फैली हुई है...जिन्हें अद्वितीय नेतृत्व, कृषि क्षेत्र में क्रांति और सामाजिक न्याय के प्रोत्साहन और लोकतंत्र के मूल्यों की रक्षा के लिए, जाना जाता है। गाजियाबाद में जन्मे चौधरी चरण सिंह का अद्वितीय योगदान उनकी विरासत का आधार है। प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने परिवर्तनकारी नीतियां बनाईं। किसानों को उचित पारिश्रमिक सुनिश्चित कराने के लिए कृषि मूल्य आयोग की स्थापना की। इसके माध्यम से सुगम न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) तंत्र की शुरुआत हुई, जो उनकी दूरदर्शिता का प्रमाण है। उन्होंने किसानों को न सिर्फ उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाया, बल्कि बाजार के उतार-चढ़ाव से बचाया और निर्णय लेने के लिए सशक्त बनाया। उनकी दूरदर्शी नीतियों ने किसानों की आर्थिक स्थिति को ऊपर उठाया। कृषि स्थिरता को बढ़ावा दिया और खाद्य सुरक्षा को मजबूत बनाया। एक आत्मनिर्भर और सशक्त कृषक समुदाय की नींव रखी। कृषि परिदृश्य से परे, चौधरी चरण सिंह सामाजिक न्याय के अग्रज के रूप में उभरे। पेशे से वकील थे और उन्होंने मुकदमों को स्वीकार करते थे, जिनमें मुवक्किल का पक्ष न्यायपूर्ण होता था। व्यापक भूमि सुधारों के लिए उन्होंने सामाजिक-आर्थिक असमानताओं को कायम रखने वाली जमी हुई सामंती संरचनाओं को खत्म करने पर जोर दिया। संसाधनों के अधिक न्यायसंगत वितरण को बढ़ावा देते हुए, समाज के हाशिये पर पड़े और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के उत्थान की मांग की। समतावादी सिद्धांतों में दृढ़ता से विश्वास करते थे। दलित और हाशिये पर मौजूद वर्गों के अधिकारों की वकालत करते थे। प्रधानमंत्री के रूप में उनका कार्यकाल, भले ही अल्पकालिक था, मगर नैतिक शासन और सामाजिक समावेशन के प्रति प्रतिबद्धता अटूट थी। जब वह गृहमंत्री बने, तो मंडल और अल्पसंख्यक आयोग की स्थापना की। 1979 में वित्त मंत्री और उपप्रधानमंत्री के रूप में राष्ट्रीय कृषि व ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) की स्थापना की। स्थानीय शासी निकायों को शक्ति हस्तांतरित करने वाली पंचायती राज प्रणाली की शुरुआत, प्राधिकरण के विकेंद्रीकरण में एक मास्टरस्ट्रोक थी। इसे कदम ने जमीनी स्तर के लोकतंत्र को सशक्त बनाया, ग्रामीण आबादी को आवाज दी और समावेशी विकास को बढ़ावा दिया। सामाजिक न्याय के प्रति उनकी प्रतिबद्धता शैक्षणिक संस्थानों और सरकारी नौकरियों में आरक्षण तक फैली हुई है, जो ऐतिहासिक अन्याय को दूर करने और समान अवसर बनाने की एक रणनीतिक पहल है। जिस लचीलेपन और दृढ़ संकल्प के साथ उन्होंने जटिल मुद्दों, विशेषकर ग्रामीण और कृषि परिदृश्य से संबंधित मुद्दों को निपटाया, वह उनकी राजनीतिक कौशल को दर्शाता है। भारत के नेताओं की छवि के बीच, चरण सिंह ऐसे पथ प्रदर्शक के रूप में खड़े हैं, जिनका योगदान पीढ़ी-दर-पीढ़ी गूंजता रहेगा। उन्हें भारत रत्न से सम्मानित करना न केवल उनकी विरासत के लिए उचित श्रद्धांजलि होगी, बल्कि उन मूल्यों की भी मान्यता होगी, जिनके लिए वह खड़े रहे। चरण सिंह को भारत रत्न आने वाली पीढ़ियों के लिए उनकी विरासत को अमर बनाए रखेगा। राजनीतिक उथल-पुथल वाले युग में, लोकतांत्रिक मानदंडों और संवैधानिक मूल्यों के प्रति चौधरी चरण सिंह की दृढ़ प्रतिबद्धता अटूट थी। वे व्यक्तिगत और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मुखर समर्थक थे। उन्होंने ऐसे वातावरण को बढ़ावा दिया, जहां विविध आवाजें सुनी जा सकें और किसी को दबाया ना जाए। - केसी त्यागी मुलायम सिंह 1990 में पहली बार मुख्यमंत्री बने थे। मैं उनकी सरकार में कैबिनेट मंत्री था। एक दिन मैंने उन्हें सुझाव दिया कि विधानसभा के सामने गोविंद वल्लभ पंत की मूर्ति है, प्रांगण में क्यों न चौधरी चरण सिंह की मूर्ति लगवाई जाए? मुलायम तुरंत तैयार हो गए और चंद सेकंड में ही अनुमति दे दी। सिर्फ एक माह का समय था, 29 मई 1990 को चौधरी चरण सिंह की पुण्यतिथि थी। कम समय के कारण, तब पीओपी की मूर्ति लगाई गई। मतभेदों को दरकिनार कर चौधरी साहब के बेटे अजित सिंह को मुख्य अतिथि बनाया गया और 29 मई 1990 को मुलायम सिंह ने प्रतिमा का अनावरण किया। कुछ दिनों बाद ही मुलायम ने पीओपी हटवाकर कांस्य की मूर्ति लगवा दी, जो आज विधानसभा में शोभायमान है। चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न देकर प्रधानमंत्री ने देश के किसानों, गरीबों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सम्मानित किया है। - शतरुद्र प्रकाश, पूर्व कैबिनेट मंत्री, उत्तर प्रदेश

बॉलीवुड एक्ट्रेस यामी गौतम बनने वाली है मां, प्रेग्नेंसी की खबर सुनते ही खुशी से झूमे फैंस

नई दिल्ली । 2024 कई सितारों के लिए खुशियों की सौगात लेकर आया. उन्हीं में से एक बॉलीवुड एक्ट्रेस यामी गौतम भी हैं. रिपोर्ट्स की मानें तो एक्ट्रेस प्रेग्नेंट हैं. वो जल्द ही मां बनने वाली हैं. यामी के मां बनने की खबर ने उनके तमाम फैंस को खुश कर दिया है. यामी के घर गूंजेगी किलकारी सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, यामी गौतम शादी के 3 साल बाद अपना पहला बेबी एक्सपेक्ट कर रही हैं. एक्ट्रेस साढ़े पांच महीने की प्रेग्नेंट हैं. उनकी प्रेग्नेंसी का सेकंड ट्राइमेस्टर चल रहा है. वो अपने प्रेग्नेंसी फेज को काफी एन्जॉय कर रही हैं. रिपोर्ट में बताया गया है- यामी को जबसे अपनी प्रेग्नेंसी के बारे में पता चला है, वो सुपर एक्साइटेड और हैप्पी हैं. उम्मीद है कि एक्ट्रेस मई 2024 में ही अपने बच्चे को जन्म देंगी. यानी ये साल यामी और उनके पूरे परिवार के लिए काफी खास और यादगार होने वाला है.फिल्म के सेट से शुरू हुई थी यामी-आदित्य की लव स्टोरी यामी गौतम ने 4 जून साल 2021 को अपने सपनों के राजकुमार आदित्य धर संग शादी रचाई थी. आदित्य पेशे से राइटर और डायरेक्टर हैं. यामी और आदित्य की पहली मुलाकात फिल्म उरी के सेट पर हुई थी, क्योंकि एक्ट्रेस के पति ने ही इस फिल्म को डायरेक्ट किया था. सेट पर ही दोनों की दोस्ती बढ़ी और फिर उनका रिश्ता प्यार में बदल गया. दो साल की डेटिंग के बाद दोनों ने सात फेरे लेकर हमेशा के लिए एक दूसरे का हाथ थाम लिया था. यामी और आदित्य की शादी काफी इंटीमेट तरीके से हुई थी. शादी के 3 साल बाद कपल अब पेरेंट क्लब में शामिल होने वाला है. हालांकि, उन्होंने अभी इस खबर को कंफर्म नहीं किया है. लेकिन उम्मीद की जा रही है कि वो जल्द ही सोशल मीडिया पर अपनी प्रेग्नेंसी की अनाउंसमेंट करेंगी. अब हर किसी को एक्ट्रेस के नन्हे मेहमान के दुनिया में आने का इंतजार है. 'आर्टिकल 370' से बॉक्स ऑफिस पर धूम मचाने का तैयार यामी यामी गौतम के फिल्मी करियर की बात करें तो एक्ट्रेस कई बड़ी फिल्मों में काम कर चुकी हैं

अक्षय-टाइगर ने 'बड़े मियां छोटे मियां' का बीटीएस वीडियो किया जारी

मुंबई । मेकर्स ने रियल एक्शन फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' का फर्स्ट ऑफिशियल बीटीएस वीडियो जारी करके एक धमाके के साथ काउंटडाउन शुरू कर दिया है। 'मेकिंग ऑफ द रियल एक्शन फिल्म टाइटल से जारी वीडियो में अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ कुछ स्टंट करते दिख रहे हैं।एक्टर्स ने भी इस वीडियो को फैंस के साथ शेयर करने के लिए अपने सोशल मीडिया अकाउंट का सहारा लिया है।

फिल्म का टीज़र पहले से ही सुर्खियां बटोर रहा है और अब फैंस एक सिनेमाई तमाशा की उम्मीद कर सकते हैं, जब वे अक्षय कुमार और बॉलीवुड के यंगेस्ट एक्शन सुपरस्टार को देखेंगे। 'बड़े मियां छोटे मियां' एक एक्शन-थ्रिलर फिल्म है, जो अली अब्बास जफर के निर्देशन में बनी है। जफर, जैकी भगनानी, वाशु भगनानी, दीपशिखा देशमुख और हिमांशु किशन मेहरा ने पूजा एंटरटेनमेंट और एएजेड फिल्म्स के जरिये से फ़िल्म का निर्माण किया है।

ऋचा चड्ढा और अली फ़ज़ल के घर आने वाला है नन्हा मेहमान

मुंबई बॉलीवुड की लोकप्रिय और चर्चित जोड़ी ऋचा चड्ढा और अली फ़ज़ल अब जल्द ही एक नई भूमिका में नजर आएगा। पिछले साल यह दोनों शादी के बंधन में बंधे थे। अब इस कपल के घर एक प्यारा सा नन्हा मेहमान आने वाला है। हाल ही में इस कपल ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर बताया कि वे माता-पिता बनने वाले हैं। अली फज़ल ने अपने इंस्टाग्राम पर एक फोटो पोस्ट कर यह खबर अपने फैंस के साथ शेयर की। अली ने एक कागज के टुकड़े पर 1 1=3 लिखा और घोषणा की कि वे माता-पिता बनने वाले हैं। साथ ही उन्होंने इस फोटो पर कैप्शन भी दिया कि एक छोटे से दिल की धड़कन आज हमारी जिंदगी की सबसे तेज आवाज बन गई है।इस बीच इस जोड़ी की इस समय सोशल मीडिया से लेकर आम लोगों तक पर जमकर चर्चा हो रही है। मशहूर हस्तियों के लिए हर कोई उन्हें शुभकामनाएं दे रहा है।

सुशांत सिंह राजपूत मामले में अब भी फंसी हैं रिया चक्रवर्ती

हाईकोर्ट में लगाई थी याचिका... जज ने टाला फैसला

मुंबई- सुशांत सिंह राजपूत के सुसाइड केस में फंसी रिया चक्रवर्ती अभी तक कानूनी लड़ाई लड़ रही हैं. इस मामले में सीबीआई ने रिया के खिलाफ एक परमानेंट लुक-आउट सर्कुलर जारी किया था. इसके तहत उन्हें कोर्ट की परमिशन के बिना विदेश जाने की अनुमति नहीं थी. इस सर्कुलर की वजह से उन्हें कई समस्याओं का सामना कर पड़ा रहा है. रिया के प्रोफेशनल काम के लिए विदेश नहीं जा पा रही हैं. इस सर्कुलर को रद्द करने के लिए रिया, उनके भाई शौविक और पिता ने बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका दायर की हुई है. ईटाइम्स के मुताबिक, बॉम्बे हाईकोर्ट ने याचिका पर सुनवाई करते हुए इस पर फैसले को स्थगित कर दिया. हालांकि, दिसंबर 2023 में कोर्ट ने एक हफ्ते के लिए कोर्ट ने सीबीआई के लुक-आउट सर्कुलर को रद्द कर दिया था. उस वक्त रिया को प्रोफेशनल काम के लिए दुबई जाना था. उन्होंने दुबई जाने से एक हफ्ते पहले परमिशन मांगी थी.

रिया चक्रवर्ती के वकील ने दी दलील इस बीच, गुरुवार को रिया चक्रवर्ती के भाई शौविक चक्रवर्ती और उनके पिता ने जो एलओसी रद्द करने की याचिका दायर की थी, उस पर बॉम्बे हाईकोर्ट फैसला टाल दिया है. वकील अयाज खान ने कोर्ट में तर्क

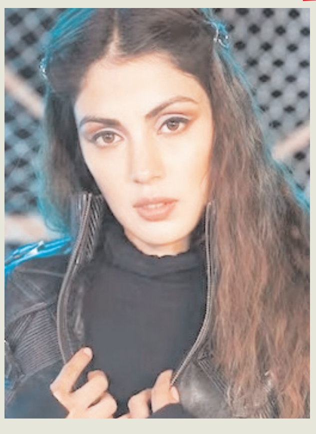

दिया कि यदि आरोपी नियमित रूप से कोर्ट में पेश नहीं होते हैं और गिरफ्तारी से बचते हैं तो एलओसी जारी की जानी चाहिए. लेकिन रिया के मामले में ऐसा नहीं है.

सीबीआई के वकील ने दिया ये हवाला हालांकि, सीबीआई के वकील श्रीराम शिरसाट ने कहा कि कोर्ट में रिया के प्रेजेंस का मतलब यह नहीं है कि कोई जांच नहीं होनी चाहिए. उन्होंने रिया को सर्कुलर देने का भी कारण बताया. हालांकि, बेंच ने सीबीआई की देरी की आलोचना करते हुए टिप्पणी की कि आरोप पत्र को पूरा करने के लिए साढ़े तीन साल काफी होते हैं. कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है.

फिल्म 'फाइटर' से दीपिका के स्क्वाड्रन लीडर 'मिन्नी' बनने की एक रोमांचक झलक आई सामने

मुंबई ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण स्टारर सिद्धार्थ आनंद की फिल्म फाइटर लगातार बॉक्स ऑफिस पर आगे बढ़ रही है। जहां दर्शकों ने देशभक्ति के उत्साह के साथ फिल्म में कुछ जबरदस्त एक्शन सीक्वेंस देखे, वहीं एक्टर्स की परफॉर्मेंस ने भी लोगों को इम्प्रेस किया है जिसमें फिल्म की लीड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण भी शुमार हैं। फाइटर में दीपिका ने स्क्वाड्रन लीडर 'मिन्नी' के रोल में अपनी दमदार एक्टिंग की झलक दिखाई। यही नहीं, एक फाइटर की सच्ची भावना को अपने में समेटे हुए दीपिका ने वास्तव में हर इमोशन को स्क्रीन पर सही ढंग से पेश किया है।

एक्स गर्लफ्रेंड एंड्रियानी ने रोया ब्रेकअप का दुखड़ा, अरबाज बोले दो साल से चुप क्यों थी

नई दिल्ली । अरबाज खान अब शूरा खान से शादी कर चुके हैं। हाल ही में उन्होने परिवारों की मौजूदगी में निकाह किया था और इस दौरान उनकी कई तस्वीरें सामने आईं थीं। लोगों के लिए अरबाज खान और शूरा खान की शादी इसलिए चौकाने वाली थी क्योंकि उसके पहले अरबाज जॉर्जिया एंड्रियानी को डेट कर रहे थे। एक्टर-प्रोड्यूसर अरबाज खान ने हाल ही में दूसरी शादी की. शूरा खान को उन्होंने अपनी दूसरी बेगम बनाया हैं. 24 दिसंबर को अपनी बहन अर्पिता खान शर्मा ये शादी की, जिसमें उनकी परिवार और कुछ खास दोस्त शामिल हुए थे.अरबाज खान की शादी के दौरान ही उनकी एक्स-गर्लफ्रेंड जॉर्जिया एंड्रियानी ने उनके साथ अपने ब्रेकअप के बारे में अपना दुखड़ा रोया, जो अरबाज खान को बिलकुल भी पसंद नहीं आया. हाल ही में एक्टर अपनी एक्स पर आगबबूला हुए और बोले की वो 2 सालों से चुप क्यों थीक्र

अरबाज खान और शूरा खान मैरिड लाइफ को एन्जॉय कर रहे हैं. लेकिन, शादी से ठीक पहले उनकी एक्स ने मीडिया इंटरव्यूज में जो भी कहा, वो एक्टर-प्रोड्यूसर को बिलकुल भी पसंद नहीं आया. करीब 1 महीने बाद एक्टर ने उन इंटरव्यू पर कही बातों पर रिएक्शन दिया है.जॉर्जिया से ब्रेकअप के बाद शूरा से मिले थे अरबाज

जॉर्जिया एंड्रियानी के बाद अब अरबाज खान ने अपनी एक्स के साथ रिलेशनशिप पर बात की. हाल ही में उन्होंने इंडियन एक्सप्रेस से बात करते हुए ये साफ किया की शूरा से रिलेशनशिप में आने से 2 साल पहले ही उनका और जॉर्जिया का ब्रेकअप हो गया था, लेकिन उन्होंने अपने इंटरव्यूज में इस बात को साफ नहीं किया.1 साल बाद टूट गया था अरबाज और जॉर्जिया का रिश्ता

अरबाज ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा, 'मैं जानता हूं कि हाल के कुछ इंटरव्यूज से यह अहसास होता है कि आखिर तक चीजें सही थीं, जो सच नहीं है. यह बेहद दुखद है कि अब मुझे यहां बैठकर इस तरह सफाई देनी पड़ रही है, लेकिन मेरा पिछला रिश्ता शूरा से मिलने से लगभग डेढ़ साल पहले ही खत्म हो गया था. जॉर्जिया के साथ मेरा सिर्फ 1 साल का डेटिंग पीरियड रहा. लेकिन, उन्होंने जो इंटरव्यूज दिए उनमें कोई समयसीमा नहीं दी गई और ऐसे इंटरव्यूज लोगों को यह विश्वास दिलाते हैं कि मैं एक रिलेशनशिप में रहते हुए दूसरे रिलेशनशिप में गया. उन्होंने साफ किया कि शूरा से मिलने तक मैं लगभग डेढ़ साल तक किसी को डेट नहीं कर रहा था और यही हकीकत है.

2 साल से चुप क्यों थींक्र

एक्टर से प्रोड्यूसर बने अरबाज ने आगे कहा कि दो साल बाद ठीक मेरा शादी से पहले सार्वजनिक रूप से अपने रिश्ते पर चर्चा करना सही नहीं था. उन्होंने आगे कहा कि आपका लगभग 2 साल पहले ब्रेकअप हो चुका है और आपके पास तब इस बारे में बोलने का विकल्प नहीं था, तो अब इस बारे में बोलना सही नहीं लगता.

शादी से पहले टूटे रिश्ते पर बात करना ठीक नहीं था

अरबाज खान को लगता है कि जॉर्जिया एंड्रियानी को उनके रिश्ते पर चर्चा भी नहीं करनी चाहिए थी, क्योंकि उनके लिए, 'सार्वजनिक रूप से अपने व्यक्तिगत संबंधों के बारे में बात करना एक नहीं है. अरबाज का मानना क्र है कि उन्हें जो बीत गया उसे भूल जाना चाहिए था और इस बारे में पूछे जाने पर उन्हें कहना चाहिए था, 'दुनिया जानती थी कि मैं इसके साथ रिलेशनशिप में थी और अब आगे बढ़ गए हैं. इसपर बात करना आवश्यक नहीं था खासकर तब जब वह शादी करने जा रहे थे'।

आठ महीने बाद 16 फरवरी से ओटीटी पर आएगी 'द केरल स्टोरी'

मुंबई !'द कश्मीर फाइल्स' के बाद फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रच है। 15 से 20 करोड़ के बजट वाली इस फिल्म ने 300 करोड़ से ज्यादा की कमाई की है। यह फिल्म विवादों में भी घिर गई थी। केरल में हिंदू लड़कियों के धर्म परिवर्तन और उसके बाद उन्हें आईएसआईएस में भर्ती करने जैसे गंभीर विषय के लिए फिल्म को काफी आलोचना भी मिली।इस फिल्म की जितनी आलोचना हुई, उतनी ही दर्शकों से फिल्म को शानदार रिस्पॉन्स मिला। फिल्म के निर्देशक सुदीप्तो सेन, निर्माता विपुल अमृतलाल शाह और मुख्य अभिनेत्री अदा शर्मा फिल्म की रिलीज के बाद एक साथ आए और उन लड़कियों को दुनिया के सामने लाकर प्रदर्शनकारियों को जवाब दिया, जो

इससे गुजर चुकी थीं। फिल्म की इतनी डिमांड के बाद भी फिल्म ओटीटी रिलीज के लिए संघर्ष कर रही थी। पिछले आठ महीने से यह फिल्म ओटीटी रिलीज से दूर थी, लेकिन अब यह फिल्म जल्द ही ओटीटी पर आएगी।आमतौर पर कोई भी फिल्म चार हफ्ते बाद ओटीटी पर रिलीज होती है, लेकिन 'द केरला स्टोरी' इतने लंबे समय तक ओटीटी पर रिलीज नहीं हुई, जिससे दर्शक काफी निराश हुए। अब मीडिया रिपोर्ट से इस फिल्म की ओटीटी रिलीज को लेकर नई जानकारी सामने आई है। 'द केरल स्टोरी' अब ओटीटी प्लेटफॉर्म 'जी5' पर नजर आएगी। यह फिल्म 16 फरवरी 2016 से ओटीटी प्लेटफॉर्म 'जी5' पर देखने के लिए उपलब्ध होगी। अदा शर्मा ने भी अपने इंस्टाग्राम अकाउंट के जरिए यह खुशखबरी शेयर की, इस बीच चर्चा थी कि फिल्म 'नेटफ्लिक्स' पर रिलीज होगी, लेकिन बाद में यह खबर झूठी निकली। यह भी बताया गया कि कोई भी ओटीटी प्लेटफॉर्म फिल्म को रिलीज करने को तैयार नहीं था क्योंकि फिल्म एक बहुत ही संवेदनशील विषय पर आधारित थी। अब 'जी5' की ओर से आधिकारिक घोषणा कर दी गई है और जल्द ही दर्शक इस फिल्म को ओटीटी पर देख पाएंगे।

महेश और पूजा भट्ट को थी शराब की बुरी लत, ऐसे लिया छोड़ने का फैसला

नई दिल्ली । महेश भट्ट को एक समय पर शराब की गंदी लत हो गई थी। वह बहुत ज्यादा ड्रिंक करते थे, लेकिन फिर एक दिन अपनी बेटी की वजह से उन्होंने शराब नहीं पीने का फैसला किया। जिस बेटी की वजह से महेश ने यह फैसला लिया वह हैं शाहीन जो महेश और सोनी राजदान की बेटी हैं यानी कि आलिया की बड़ी बहन। अब ऐसा क्या हुआ था कि शाहीन की वजह से महेश ने यह फैसला लिया आपको बताते हैं।

महेश ने इंडियन एक्सप्रेस से बात करते हुए बताया कि शाहीन के जन्म के दौरान सोनी ने मुझे कहा कि तुम्हें ड्रिंक छोड़नी पड़ेगी अब बेटी के लिए। लेकिन जिस दिन बेटी हुई

महेश ने पूरी रात ड्रिंक की। हालांकि जब उन्होंने शाहीन को अपनी बाहों में पकड़ा और उन्हें किस करने वाले थे तो बेटी ने उन्हें थोड़ा दूर कर दिया। बस इस दौरान महेश को लगा कि अब वह शराब को कभी हाथ नहीं लगाएंगे।

लोगों ने बोला नामुमकिन है

महेश बोले, 'मैंने सोचा कि मैं ऐसे अपने न्यूबॉर्न बेबी को मुझसे मुंह मोड़ते हुए नहीं देख सकता। जिंदगी मुझे इस बच्चे के जरिए कुछ बता रही थी। मैंने शराब छोड़ दी। मैंने उसके बाद शराब को हाथ तक नहीं लगाया। लोग बोलते कि यह तो नामुमकिन है कि महेश भट्ट ड्रिंक करना छोड़ दे, लेकिन मैंने ऐसा किया। मैं इसके लिए किसी डॉक्टर के पास नहीं गया, ना कोई दवाई ली। बस मैंने मन बना लिया था। एक पिता का जन्म हो गया था।' महेश के अलावा उनकी सबसे बड़ी बेटी पूजा को भी ड्रिंक का एडिक्शन था। महेश ने बताया कि कैसे लोग उन्हें कहते थे कि पूजा को इतनी ड्रिंक मत करने दो। लेकिन मैं उन्हें कहता था कि उसके अंदर मेरी जीन्स है, हम जो भी करते हैं बहुत ज्यादा करते हैं। मैंने उन्हें बोला था कि मैं उसे नहीं बताने वाला कि क्या करना है और क्या नहीं। लेकिन महेश की एक बात ने पूजा को ड्रिंक छोड़ने पर मजबूर कर दिया था।

पूजा ने कैसे छोड़ा ड्रिंक करना

महेश ने बताया, 'एक बार मैं, सोनी, शाहीन और आलिया वेकेशन पर जा रहे थे। पूजा से मेरी मैसेज पर बात हो रही थी। वह उस समय काफी ड्रिंक की हुई थी और कह रही थी कि मुझसे बहुत प्यार करती है। हमारी फ्लाइट टेक ऑफ करने वाली थी कि मैंने उन्हें मैसेज किया अगर मुझसे प्यार करती हो तो उससे पहले खुद को करो क्योंकि मैं तुम में ही हूं। इस मैसेज ने कुछ तो जादू किया पूजा पर कि उन्होंने ड्रिंक नहीं करने का फैसला किया।

जियो स्टूडियोज के और 50 करोड़ को लगा पलीता, कृति सेनन का क्या होगा!

इन दिनों अक्सर ऐसी खबरें पढ़ने को मिल ही जाती हैं कि मोबाइल छीनने पर बचे किस तरह जिद करने लगते हैं, कोई खाना नहीं खाता है तो कोई अपना सिर दीवार पर पटकने लगता है! कुछ बड़े बचों की भी खबरें आती रहती हैं जिन्हें मोबाइल पर रात में चैट से मना करने या वीडियो गेम खेलने से मना करने वे हिंसक हो जाते हैं और इंटरनेट के रिश्तों के आगे खून के रिश्ते भूल जाते हैं। ये सच है कि तकनीक और खासतौर से कृत्रिम मेधा (एआई) ने मानव जीवन पर असर डालना शुरू कर दिया है। लंबे समय से विकसित की जा तकनीक रोबोट का घरेलू और कारोबारी कामों में मदद के लिए इस्तेमाल होने भी लगा है लेकिन क्या हो अगर कोई 42 साल का बचा एक ऐसी रोबोट पर मोहित हो जाए जिसे उसकी मौसी ने घरेलू कामकाज में मदद के लिए तैयार किया है। विचार अछा है, इंसानी कौशल से तैयार मशीनों की कृत्रिम मेधा कैसी तबाही लाती है, ये कहानियां हम हॉलीवुड की फिल्मों में खूब देख चुके हैं। अब बारी हिंदी सिनेमा की। 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' एक अद्भुत विचार है, इस विचार पर फिल्म कैसी बनी है, आइए जानते हैं!

जियो की मेधा दिनेश विजन

रोबोट अगर खराब हो जाए, उसकी आंतरिक व्यवस्था में कोई खामी आ जाए या वह अपने प्रशासक (एडमिन) के निर्देश मानने से ही मना कर दे, तो कुछ भी हो सकता है। कृत्रिम मेधा तक तो फिल्म 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' नहीं पहुंचती लेकिन इसे बनाने वालों की मेधा जरूर इस फिल्म में अपना इम्तिहान देती दिखती है। जियो स्टूडियोज के पास अथाह पैसा है। उनके एप जियो सिनेमा को लगातार कुछ नया दिखाने के लिए फिल्में, वेब सीरीज और भी बहुत कुछ चाहिए। विदेश से उन्हें अछी फिल्में व वेब सीरीज मिल भी गई हैं। लेकिन, हिंदी सिनेमा का क्या करें, जहां उनको सबसे मेधावी निर्माता अब तक दिनेश विजन ही मिले हैं। हिंदी सिनेमा में चर्चा ये भी रही है कि जियो स्टूडियोज ने दिनेश विजन की कंपनी मैडॉक फिल्म्स में आधी हिस्सेदारी खरीद ली है। तो अब जियो स्टूडियोज अपना घरेलू स्टूडियोज वॉयकॉम18 होते हुए भी मैडॉक के साथ थोक में फिल्में बना रहा है और दर्शकों को लगातार पका रहा है।

साल की पहली मेगास्टार पकाऊ फिल्म

फिल्म 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' इस साल की पहली मेगास्टार पकाऊ फिल्म है। 2019 में 'कबीर सिंह' से जो कुछ शाहिद कपूर ने कमाया था, उसे वह अपनी 'फर्जी' जैसी सीरीज और 'जर्सी' जैसी फिल्म में गंवा चुके हैं। अली अब्बास जफर की फिल्म 'ब्लडी डैडी' बढ़िया थी, लेकिन वह ओटीटी पर रिलीज हो गई। अब फिल्म 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' में शाहिद कपूर फिर से इकन्ना एक पढ़ रहे हैं। उनकी जोड़ीदार कृति सेनन का तो कहना ही क्या? मौजूदा दौर की वह इकलौती हीरोइन हैं, लाइन से आधा दर्जन फ्लॉप फिल्में पिछले दो साल में दे चुकी हैं। फ्लॉप की डबल हैट्रिक लगा चुकीं कृति का भी फिल्म 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' में शाहिद के साथ इम्तिहान है। और, वह भी एक ऐसी कहानी में है जिसमें दर्शकों के देखने लायक कुछ खास है नहीं। लड़की रोबोट है, लड़का उस पर एक रात बिताने के बाद से फिदा है। वह इस रोबोट से शादी भी करना चाहता है। घरवालों को वह कुछ बताता नहीं है और जिनको जिनको लड़की की असलियत पता चलती जाती है, उनको वह डराता, धमकाता, पुचकारता रहता है।

खुशबू आ नहीं सकती कभी कागज के फूलों से आनंद बक्षी 50 साल पहले लिख चुके हैं, सचाई छुप नहीं सकती बनावट के उसूलों से, के खुशबू आ नहीं सकती कभी कागज के फूलों से....! नवोदित निर्देशक जोड़ी अमित जोशी और आराधना शाह ने अपनी पहली फिल्म के लिए बहुत ही बनावटी फिल्म लिखी है। जाहिर है दोनों ने जब ये आइडिया क्रैक किया होगा तो दोनों उछल पड़े होंगे कि वाह! क्या कमाल फिल्म बनेगी इस पर। दिनेश विजन की सिनेमाई समझ का सेंसेक्स इधर लगातार लाल निशान पर ही बंद हो रहा है। वह विचार पर फोकस रखते हैं, फिल्म पर नहीं। फिल्म उनको बनानी है। हीरोइन कृति सेनन को लेना है। बाकी काम लक्ष्मण उतेकर के हवाले है। वह भी अब कैमरा ही संभालने में लगे रहते हैं। रंग बिरंगे प्रोडक्शन डिजाइन को चटक रंगों के साथ फ्रेम में सजाकर वह अपना काम पूरा कर देते हैं। नए निर्देशकों को इनमें से कोई नहीं बताता कि शाहिद कपूर की आंखों के पास पड़ने लगीं झुर्रियां उन्हें ऐसी प्रेम कहानियो के लिए कब का अनफिट बना चुकी हैं। डांस एक्सपर्ट माने जाने वाले शाहिद से अब डांस भी नहीं होता। डांस देखना हो तो उनके छोटे भाई ईशान का फिल्म 'पिप्पा' का गाना 'मैं मरजाना..' देखिए। ईशान ही इस फिल्म के लिए सही वाइस भी होते। हाथी और चींटी वाले घटिया जोक सुनाकर निर्देशकों की ये नई जोड़ी अपनी मेधा का स्तर भी दर्शकों के सामने खोलती रहती है।

अडानी ने तांबा खरीदने के लिए किया बड़ा सौदा, अगले महीने शुरू हो रहा यह प्लांट

नई दिल्ली । गौतम अडानी समूह ने प्रति वर्ष 1.6 मिलियन टन कॉपर (यानी तांबा खरीदने के कॉन्ट्रैक्ट पर हस्ताक्षर किए हैं। इसकी जानकारी अडानी नेचुरल रिसोर्सेज के सीईओ विनय प्रकाश ने दी। उन्होंने बताया कि यह डील अगले महीने इंडस्ट्रियल मेटल के लिए शुरू हो रहे दुनिया के सबसे बड़े सिंगल लोकेशन स्मेल्टर की जरूरत को देखते हुए की गई है। दरअसल, अडानी समूह का कॉपर प्लांट गुजरात के मुंद्रा में स्थिति है। यह प्लांट अगले महीने यानी मार्च से ऑपरेशनल हो जाएगा। 1.2 अरब डॉलर की लागत वाले इस प्लांट के पहले चरण की कैपिसिटी 5,00,000 टन की है।

आगे और खरीदारी की उम्मीद

अडानी नेचुरल रिसोर्सेज के सीईओ के मुताबिक दशक के अंत तक भारतीय कॉपर की मांग दोगुनी होने का अनुमान है। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए मार्च 2029 तक तांबे की खरीदारी को 1 मिलियन टन तक बढ़ाया जाएगा। विनय प्रकाश ने आने वाले समय में वैश्विक स्तर पर स्मेल्टर और रिफाइनर उत्पादन में कटौती की आशंका जाहिर की। उन्होंने कहा–हमारे प्लांट में कम लागत वाले उत्पाद होंगगे और इससे हमें बाजार में प्रतिस्पर्धी बने रहने में मदद मिलेगी।

अडानी के प्लांट का असर

अडानी के इस प्लांट से आयात पर भारत की निर्भरता को कम करने और एनर्जी बदलाव में मदद मिलेगी। प्लांट मार्च, 2029 तक पूर्ण पैमाने पर 10 लाख टन क्षमता के साथ परिचालन शुरू करेगा। चीन और अन्य देशों की तरह भारत भी तांबे का उत्पादन तेजी से बढ़ा रहा है, जो जीवाश्म ईंधन का इस्तेमाल कम करने के लिए एक महत्वपूर्ण धातु है। ऊर्जा बदलाव के लिए महत्वपूर्ण टेक्नोलॉजी जैसे इलेक्ट्रिक वाहन, चार्जिंग, सौर फोटोवोल्टिक (पीवी), विंड एनर्जी और बैटरी सभी में तांबे की जरूरत होती है। बता दें कि अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) की सब्सिडयरी कंपनी कच्छ कॉपर लिमिटेड (केसीएल) इस प्लांट की स्थापना कर रही है। एक अनुमान के मुताबिक भारत में प्रति व्यक्ति कॉपर की खपत 600 ग्राम है, जबकि वैश्विक औसत 3.2 किलोग्राम है।

क्ले क्राफ्ट इंडिया ने डिजिटल प्रिंटिंग की लॉन्चिंग के साथ टेबलवेयर एलीगेन्स को दिया नया आयाम

नई दिल्ली। सेरेमिक टेबलवेयर प्रोडक्ट्स बनाने वाले प्रमुख निर्माता क्ले क्राफ्ट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने डिजिटल प्रिंटिंग के लॉन्च के साथ भारत के पहले सेरेमिक टेबलवेयर निर्माता बनने की उपलब्धि हासिल कर ली है। यह टेक्नोलॉजी बेहेतरीन कारीगरी एवं इनोवेशन के साथ सेरेमिक टेबलवेयर परिवेश को नया आयाम देगी। ब्राण्ड ने स्पेन के जाने–माने मशीन सप्लायर केराजेट से आधुनिक प्रिंटर खरीदा है, जिसे विश्वस्तरीय प्रिंटिंग समाधानों के लिए जाना जाता है। क्ले क्राफ्ट का मानना है कि यह डिजिटल प्रिंटिंग उपभोक्ताओं की बदलती पसंद के अनुसार टेबलवेयर के डिज़ाइन में नया बदलाव लेकर आएगी। टेबलवेयर पर सेरेमिक डिजिटल प्रिंटिंग कई कारणों से आधुनिक है। स्थायी प्रथाओं के लिए भारत की प्रतिबद्धता के अनुरूप डिजिटल प्रिंटिंग पानी और पेपर के इस्तेमाल को कम करेगी, इंक एवं मटीरियरल के उपयोग को अनुकूलित कर पर्यावरण के प्रति सजग उत्पादन को बढ़ावा देगी। डिज़ाइन से लेकर प्रिंट की पूरी प्रक्रिया में मात्र 10 मिनट का समय लगता है, जिससे उत्पादन में बिना किसी देरी के रियल टाईम एडजस्टमेन्ट को सुनिश्चित किया जा सकता है। डिजिटल प्रिंटिंग के आगमन से न्यूनतम ऑर्डर्स की आवश्यकता कम हो जाएगी, और एक पीस के लिए भी लागत प्रभावी उत्पादन को सुनिश्चित किया जा सकेगा। होटल और रेस्टोरेन्ट अतिरिक्त लागत खर्च किए बिना अपने डिज़ाइनों को व्यक्तिगत टच दे सकेंगे, इससे रचनात्मक संभावनाओं के मार्ग प्रशस्त होंगे। इसके अलावा ज़मीन की कीमतें बढ़ने के साथ, पैड प्रिंटिंग टूल्स से युक्त वेयरहाउसेज़ को गैर–उत्पादक माना जाएगा, जिससे डिजिटल प्रिंटिंग और भी प्रभावी बन जाएगी। क्ले क्राफ्ट प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर भारत अग्रवाल ने बताया कि हमें खुशी है कि खूबसूरत हस्तनिर्मित टेबलवेयर पर सेरेमिक डिजिटल प्रिंटिंग के साथ हम भारत में आधुनिक लेकर आए हैं। हम इस नई तकनीक के साथ देश के सेरेमिक उद्योग में नए विश्वस्तरीय मानक स्थापित करने जा रहे हैं। टेबलवेयर के लिए देश के पहले सेरेमिक डिजिटल प्रिंटर का अधिग्रहण इनोवेशन एवं गुणवत्ता के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। टेबलवेयर एलीगेन्स को नया आयाम देने के लिए केराजेट के साथ साझेदारी करते हुए हमें बेहद खुशी का अनुभव हो रहा है। उल्लेखनीय है कि टेबलवेयर मार्केट के लिए डिजिटल प्रिंटिंग 2024 से 2029 के बीच 6.8 फीसदी दर से बढ़ेगी तथा 2029 तक 452 मिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगी। इस विकास का श्रेय स्थायी प्रिंटिंग प्रथाओं की बढ़ती मांग तथा डिजिटल प्रिंटर टेक्नोलॉजी के बदलावकारी प्रभाव को दिया जा सकता है। केराजेट के एरिया मैनेजर साउथ एशिया विक्टर आहीकार्ट मोम्पलेट ने क्ले क्राफ्ट के साथ साझेदारी पर बात करते हुए बताया कि इस बदलावकारी यात्रा के लिए क्ले क्राफ्ट के साथ साझेदारी करते हुए हमें बेहद खुशी का अनुभव हो रहा है। इस साझेदारी के द्वारा हम भारत के टेबलवेयर मार्केट में नया बदलाव लेकर आएंगे। क्ले क्राफ्ट की रचनात्मकता, आधुनिक एवं पेशेवर दृष्टिकोण तकनीकी प्रगति के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। हमें खुशी है कि हम भारत के प्रमुखटेबल निर्माता के साथ भारतीय बाज़ार में प्रवेश करने जा रहे हैं, और उम्मीद करते हैं कि उनके साथ हमारी साझेदारी लम्बी और कारगर साबित होगी। देश–विदेश में सेरेमिक्स टाईल्स उद्योग में लोकप्रियता हासिल करने के बाद क्ले क्राफ्ट सेरेमिक्स पर डिजिटल प्रिंटिंग में प्रवेश किया है। कंपनी सेरेमिक टेबलवेयर परिवेश को नया आयाम देने तथा कारीगरी एवं फंक्शनेलिटी के बेजोड़ संयोजन के साथ उपभोक्ताओं को उत्कृष्ट अनुभव प्रदान करने के लिए प्रयासरत है।

छात्रों को बोर्ड एग्जाम मिले बंगाली और रोमन लिपि में लिखने की अनुमति, अनिमेष देबबर्मा ने किया आग्रह

त्रिपुरा विधानसभा में विपक्ष के नेता अनिमेष देबबर्मा ने मुख्यमंत्री माणिक साहा से आग्रह किया है कि छात्रों को कक्षा 10 और 12 की बोर्ड परीक्षाओं में कोकबोरोक पेपर बंगाली और रोमन लिपि में लिखने की अनुमति दी जाए ।कोकबोरोक, पूर्वोत्तर राज्य के लगभग 24 प्रतिशत लोगों द्वारा बोली जाने वाली एक स्वदेशी भाषा है, जिसकी कोई लिपि नहीं है। छात्र आम तौर पर बंगाली लिपि में भाषा के पेपर लिखते हैं। राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी टिपरा मोथा ने अपने चुनाव घोषणापत्र में कोकबोरोक भाषा को रोमन लिपि में पेश करने का वादा किया था ।त्रिपुरा बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (टीबीएसई) द्वारा आयोजित कक्षा 10 और 12 की परीक्षाएं 1 मार्च से शुरू होंगी। अनिमेष देबबर्मा ने गुरुवार को संवाददाताओं से कहा, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि बोर्ड संसाधनों की कमी का हवाला देते हुए छात्रों को केवल बंगाली लिपि में कोकबोरोक पेपर लिखने की अनुमति देने के अपने फैसले पर कायम है। बोर्ड ने छात्रों को 15 से 17 वर्षों के लिए बंगाली और रोमन लिपि में कोकबोरोक लिखने की अनुमति दी थी। इसका मतलब है उनके पास दोनों भाषाओं में कोकबोरोक पेपर का मूल्यांकन करने की सुविधाएं हैं ।आगामी बोर्ड परीक्षाओं में छात्रों को रोमन लिपि में अपना कोकबोरोक पेपर लिखने की अनुमति नहीं दिए जाने पर आंदोलन की आशंका व्यक्त करते हुए, देबबर्मा ने मुख्यमंत्री से इस मामले को देखने और छात्रों को अपना कोकबोरोक पेपर रोमन और बंगाली लिपि में लिखने की अनुमति देने का आग्रह किया।

सोने-चांदी की कीमतों में मामूली तेजी, खरीदने का शानदार मौका

इंदौर। भारतीय सर्राफा बाजार में 9 फरवरी 2024 को सोने–चांदी के भाव में मामूली तेजी आई है। सोने का भाव 62642 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है। 8 फरवरी 2024 को सोने के शाम के भाव की तुलना में 30 रुपये की तेजी देखने को मिली है। चांदी का भाव 70583 रुपये प्रति किलो हो गया है। राष्ट्रीय स्तर पर 999 शुद्धता वाले चांदी के भाव में 8 फरवरी से 633 रुपये की तेजी आई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स के अनुसार 8 फरवरी की शाम को 999 शुद्धता वाले 24 कैरेट सोने की कीमत 62612 रुपये थी। 9 फरवरी की शाम को 999 वाले 24 कैरेट सोने की कीमत 62642 रुपये हो गई है। इसी तरह 8 फरवरी की शाम को 999 शुद्धता वाली चांदी की कीमत 69950 रुपये थी। 9 फरवरी की सुबह को 999 शुद्धता वाली चांदी की कीमत 70583 रुपये हो गई। 9 फरवरी को 995 शुद्धता वाले सोने की कीमत 62391 रुपये हो गई है। 916 शुद्धता वाले सोने की कीमत 57380 रुपये हो गई है। 750 शुद्धता वाले सोने की कीमत 46982 रुपये हो गई है। 585 शुद्धता वाले सोने की कीमत 36646 रुपये हो गई है।

पथुम निसंका ने रचा इतिहास, दोहरा शतक लगाने वाले पहले श्रीलंकाई क्रिकेटर बने

नई दिल्ली । श्रीलंकाई क्रिकेटर पथुम निसंका ने इतिहास रच दिया है. निसंका ने अफगानिस्तान के खिलाफ शनिवार (9 फरवरी) को पल्लेकेल में खेले गए वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में नाबाद 210 रन बनाए. निसंका ने 139 गेंदों की पारी में 20 चौके और आठ सिक्स लगाए हैं। निसंका वनडे इंटरनेशनल में दोहरा शतक लगाने वाले पहले श्रीलंकाई क्रिकेटर हैं। इससे पहले श्रीलंका की ओर से वनडे इंटरनेशनल में सर्वोच्च पारी खेलने का रिकॉर्ड सनथ जयसूर्या के नाम था. जयसूर्या ने साल 2000 में भारत के खिलाफ साल 2000 में शारजाह के मैदान पर 189 रनों की पारी खेली थी. यानी निसंका ने जयसूर्या का 24 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया है। 25 साल के पथुम निसंका वनडे इंटरनेशनल में दोहरा शतक लगाने वाले दुनिया के दसवें बल्लेबाज हैं. भारतीय खिलाड़ियों में सचिन तेंदुलकर, वीरेंद्र सहवाग, रोहित शर्मा, ईशान किशन और शुभमन गिल ये कारनामा कर चुके हैं। वहीं विदेशी बल्लेबाजों में निसंका के अलावा ग्लेन मैक्सवेल (ऑस्ट्रेलिया), फखर जमां (पाकिस्तान), मार्टिन गुप्टिल (न्यूजीलैंड) और क्रिस गेल (वेस्टइंडीज) ये मुकाम हासिल कर चुके हैं। पथुम निसंका ने सिर्फ 136 गेंदों पर दोहरा शतक पूरा किया. निसंका वनडे इंटरनेशनल में सबसे तेज दोहरा शतक लगाने के मामले में तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। रोहित शर्मा, वीरेंद्र सहवाग और क्रिस गेल जैसे धुरंधर भी निसंका से इस मामले में पीछे हैं। सबसे तेज दोहरा शतक लगाने का रिकॉर्ड ईशान किशन के नाम है, जिन्होंने साल 2022 में बांग्लादेश के खिलाफ 126 गेंदों पर दोहरा शतक पूरा किया था. ग्लेन मैक्सवेल इस मामले में दूसरे नंबर पर हैं, जिन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ 128 गेंदों में डबल सेंचुरी पूरी की थी।

एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023/24 के लिए तैयार भारतीय पुरुष टीम

नई दिल्ली । हरमनप्रीत सिंह के नेतृत्व में भारतीय पुरुष हॉकी टीम अपने एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023/24 अभियान की शुरुआत करने के लिए पूरी तरह तैयार है। भारतीय टीम आज 10 फरवरी को अपने पहले मैच में स्पेन से भिड़ेगी। एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023/24 (पुरुष) 10 फरवरी से 16 फरवरी तक भुवनेश्वर के कलिंगा हॉकी स्टेडियम में होने वाला है। इसके बाद लीग का दूसरा चरण राउरकेला के बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में 19 फरवरी से 25 फरवरी तक होगा। पांच राष्ट्रीय टीमें ङ्क आयरलैंड, नीदरलैंड, भारत, स्पेन और ऑस्ट्रेलिया ङ्क एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023/24 (पुरुष) के भारत चरण में भाग लेंगी, सभी टीमें एक बार भुवनेश्वर में और फिर एक बार राउरकेला में एक–दूसरे का सामना करेंगी। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, ओलंपिक से पहले यह घरेलू खेल है और हम इसमें लगातार अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद कर रहे हैं। कुछ युवा खिलाड़ी हैं जिन्हें देखना वाकई रोमांचक है और उन्हें टीम में शामिल किया गया है। उन्हें इन आठ खेलों में अवसर दिए जाएंगे ताकि हम अपनी ओलंपिक टीम की पुष्टि कर सकें। भारत इस टूर्नामेंट में दक्षिण अफ्रीका की यात्रा के बाद आ रहा है, जहां उन्होंने फ्रांस और नीदरलैंड के खिलाफ तीन दोस्ताना मैच और मेजबान दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एक आधिकारिक मैच खेला। भारत ने फ्रांस के खिलाफ अपने पहले और दूसरे गेम में क्रमश: 4–0 से जीत दर्ज की और 2–2 से ड्रा खेला। अगले गेम में, उन्होंने नीदरलैंड से 1–5 से हारने से पहले दक्षिण अफ्रीका को 3–0 से हराया। उन्होंने आगे कहा, हमारे पास अच्छा आक्रामक खेल है और हम अपनी रक्षा के साथ इसे संतुलित करने की कोशिश करेंगे। इस टीम की महत्वाकांक्षा बेहद प्रभावशाली है. दक्षिण अफ्रीका दौरा इस तथ्य का संकेत था कि हमारी टीम की केमिस्ट्री अच्छी है और टीम के भीतर स्वस्थ प्रतिस्पर्धा है और यह समय की मांग है। हम युवाओं को सामरिक और तकनीकी रूप से विकसित होने में मदद करना चाहते हैं। प्रतिभा की प्रचुरता है और इससे टीम की गहराई में मदद मिलती है ताकि वे चोटों के मामले में आने और अच्छा प्रदर्शन करने के लिए अच्छी तरह तैयार रहें। भारत 10 फरवरी को अपने पहले मैच में स्पेन से भिड़ेगा, जिसने हाल ही में पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए क्वालीफाई किया है, इसके बाद 11 फरवरी को एफआईएच रैंकिंग में नंबर एक टीम नीदरलैंड से भिड़ंत होगी। वे अपना आखिरी मैच 16 फरवरी को आयरलैंड के खिलाफ भुवनेश्वर में खेलने से पहले 15 फरवरी को ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेंगे। भारत ने स्पेन के खिलाफ जो पिछले सात मैच खेले हैं, उनमें से चार मौकों पर भारत विजयी रहा है। हालाँकि स्पेन विजयी हुआ जब उन्होंने 2023 4 नेशन मेन्स इनविटेशनल टूर्नामेंट (बार्सिलोना) में भारत को 2–1 से हराया, पिछली बार जब दोनों टीमें एक–दूसरे से भिड़ी थीं, तो भारत, (नंबर 3) स्पेन (नंबर 8) की तुलना में उच्च रैंक वाली टीम थी। जब दोनों आखिरी बार एफआईएच ओडिशा हॉकी पुरुष विश्व कप 2023 भुवनेश्वर ङ्क राउरकेला के दौरान भारत में आमने–सामने हुए थे, तब भारत ने स्पेन पर 2–0 की जीत हासिल की थी। एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023/24 में भारतीय टीम के लक्ष्य पर कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा, हम एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023/24 खेलने के लिए भारत वापस आकर वास्तव में उत्साहित हैं। हमारे पास कुछ शीर्ष–गुणवत्ता वाली टीमों के खिलाफ खेलने का अवसर है और हमें ओलंपिक के लिए अच्छी तैयारी करने का मौका मिलेगा। हम उन क्षेत्रों पर काम कर रहे हैं जिन पर ध्यान देने की आवश्यकता है और हम इन मैचों में उन पर अमल करने की कोशिश करेंगे जो हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं।

223 बार म्यूटेट हो चुका है वायरस, संक्रमण के जोखिमों को लेकर स्वास्थ्य मंत्री ने दी बड़ी जानकारी

कोरोना संक्रमण का खतरा वैश्विक स्तर पर पिछले चार साल से अधिक समय से बना हुआ है। हाल के महीनों में ओमिक्रॉन के सब–वैरिएंट के कारण भारत सहित कई देशों में अचानक से संक्रमण के मामले काफी तेजी से बढ़े। शोधकर्ताओं ने एक हालिया रिपोर्ट में चीन में फिर से संक्रमण बढ़ने को लेकर चेतावनी जारी की है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने कहा, सभी लोगों को कोरोना से बचाव करते रहने की आवश्यकता है। जिस प्रकार से नए वैरिएंट्स की प्रकृति देखी जा रही, उसने सभी लोगों में संक्रमण के खतरे को बढ़ा दिया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया, भारत में पिछले 24 घंटे में कोविड–19 के 121 नए मामले सामने आए हैं, देश में कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या अब 856 रह गई है। महाराष्ट्र में 24 घंटे की अवधि में एक नई मौत की सूचना मिली है। 31 दिसंबर, 2023 को एक दिन में अधिकतम 841 नए मामले सामने आए, इसके बाद से दैनिक संक्रमण के मामले काफी नियंत्रित हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने शुक्रवार को लोकसभा में बताया कि दुनियाभर में कोविड–19 अब तक 223 बार म्यूटेट हो चुका है, कोरोना के कई नए सब–वैरिएंट्स सामने आए हैं पर अब गंभीर रोगों का खतरा कम देखा जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि कोविड–19 भी इन्फ्लूएंजा की तरह ही बना रहेगा और इसके मौजूदा वैरिएंट ज्यादा घातक नहीं हैं। उन्होंने प्रश्नकाल के दौरान कहा, जब कोई वायरस 100 से अधिक बार उत्परिवर्तित होता है, तो उसके हानिकारक प्रभाव कम हो जाते हैं। कोविड भी कई बार उत्परिवर्तित हो गया है। अब तक, कोविड वायरस में 223 बार उत्परिवर्तन हो चुका है। इन्फ्लूएंजा की तरह कोविड–19 भी हमेशा हमारे साथ बना रह सकता है, साल में दो बार इससे लोगों के प्रभावित होने का खतरा हो सकता है ।स्वास्थ्य मंत्री ने कहा, कोविड के नए सब–वैरिएंट्स उतने घातक नहीं हैं और इससे कोई गंभीर नकारात्मक प्रभाव भी नहीं देखा जा रहा है। महामारी के दौरान हम सभी ने मिलकर काम किया और इसके सकारात्मक परिणाम देखे। कोरोना से मुकाबले के लिए भारत ने न सिर्फ देश के लोगों को वैक्सीन देकर सुरक्षित किया साथ ही हमने विदेशों में वैक्सीन भेजकर भी लोगों को कोरोना से बचाया है। कोरोना के वैश्विक स्तर पर जोखिमों को लेकर हाल ही में वैज्ञानिकों ने एक बार फिर से इसके बढ़ने के संकेत दिए हैं। विशेषज्ञों ने अलर्ट जारी करते हुए कहा है, सभी लोगों को कोरोना को लेकर सावधानी बरतते रहने की आवश्यकता है। ओमिक्रॉन और इसके म्यूटेटेड वैरिएंट्स के कारण संक्रमण के मामलों में फिर से उछाल आने की आशंका है। चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग (एनएचसी) ने कहा कि देश में कोविड–19 की स्थिति फिलहाल काफी नियंत्रित है, पर वसंत के दौरान एक बार फिर से संक्रमण बढ़ने का खतरा हो सकता है।

किराना दुकान के सामने अवैध शराब की विक्री,

मुखबिर की सूचना पुलिस ने जप्त की 81 पाव अवैध शराब जप्त

दमोह। सिंग्रामपुर, जबेरा थाने की सिंग्रामपुर चौकी के ग्राम कोंडाकला में किराना दुकान के सामने अवैध शराब की विक्री हो रही थी जिसकी सूचना मुखबिर के द्वारा सिंग्रामपुर चौकी प्रभारी आलोक तिरपुढ़े को मिलते ही पुलिस बल के साथ छापामार कार्यवाही की गई तो आरोपी कमल पिता रामलाल राय उम्र 23 वर्ष निवासी कोंडाकला के कब्जे से 43 पावर लाल मसाला एवं 38 पावर प्लेन शराब जप्त की गई जिसकी कीमत करीब 8100 रु बताई जाती है सिंग्रामपुर चौकी प्रभारी आलोक तिरपुढ़े ने बताया पुलिस अधीक्षक अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दमोह के निर्देशन में एसडीओपी तेंदूखेड़ा थाना प्रभारी जबेरा के मार्गदर्शन में अवैध शराब बिक्री के खिलाफ यह कार्यवाही की गई आरोपी कमल राय के विरुद्ध आबकारी एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है उक्त कार्रवाई में चौकी प्रभारी आलोक तिरपुढ़े सहायक उप निरीक्षक रवि शंकर डीम्हा प्रधान आरक्षक रणधीर जालम राम मनोहर अजय महिला आरक्षक स्वाती सारिका एनआरएस गुलाब धर्मेंद्र की सराहनीय भूमिका रही।

कांग्रेस शासनकाल में दर्ज हुए मामले को लेकर पूर्व वित्तमंत्री जयंत मलैया कोर्ट में हुए पेश

जयंत मलैया ने कहा कमलनाथ सरकार के समय अघोषित बिजली कटौती से जनता परेशान थी

दमोह, पूर्व वित्त मंत्री एवं दमोह विधायक जयंत मलैया के साथ मे मध्यप्रदेश एम एल ए कोर्ट जबलपुर में कांग्रेस की सरकार में बिजली कटौती के विरोध में किये गये धरना प्रदर्शन में दर्ज प्रकरण में पेश होकर जमानत ली। जयंत मलैया ने बताया कि कमलनाथ सरकार के समय अघोषित बिजली कटौती से जनता परेशान थी इसलिए जनता के हितों को ध्यान में रखते हुए विघुत विभाग को ज्ञापन सौंपा कर धरना प्रदर्शन किया गया था उसी प्रकरण के संबंध में माननीय न्यायालय के समक्ष उपस्थित हुए हैं। ज्ञात हो कि कांग्रेस के शासन काल मे अघोषित बिजली कटौती के कारण आम जनमानस को हो रही परेशानी के विरोध में जयंत मलैया के नेतृत्व में वर्ष 2019 में मध्य प्रदेश की कमलनाथ सरकार के खिलाफ धरना प्रदर्शन एवं ज्ञापन का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। आम जनता के हितों की आवाज उठाने पर उस समय भाजपा कार्यकर्ताओं के ऊपर शासन के द्वारा प्रकरण पंजीबद्ध किया गया था आज उन सभी कार्यकर्ताओं ने जयंत मलैया के नेतृत्व में जबलपुर पहुंचकर इस केस में जमानत ली। इस अवसर पर पूर्व विधायक सोना भाई, पूर्व जिला महामंत्री रमन खत्री, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मालती असाटी, पार्षद कपिल सोनी, आलोक गोस्वामी, दमयंती नगर मंडल अध्यक्ष पवन तिवारी, जिला उपाध्यक्ष वर्षा रैकवार, पुष्पा चिले, मनीष तिवारी, विशाल शिवहरे की उपस्थिति रही।

शाजापुर में शुरू हुआ गांव चलो अभियान

गांव चलो अभियान में विस्तारक पहुंचे भाजपा कार्यकर्ता

शाजापुर, भारतीय जनता पार्टी केंद्रीय नेतृत्व द्वारा देश भर में शुरू किए गए गांव चलो अभियान की शुरुआत शाजापुर जिले में शुक्रवार को की गई। अभियान में विस्तारक की भूमिका में गांव पहुंचे पार्टी कार्यकर्ताओ ने वोट प्रतिशत बढ़ाने की दिशा में प्रत्येक बूथ को मजबूत बनाने का कार्य किया।

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी विजय जोशी ने जानकारी देते हुए बताया की भाजपा केंद्रीय नेतृत्व के आह्वान पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा के निर्देश पर भाजपा जिलाध्यक्ष अशोक नायक द्वारा जिले के 835 बूथों पर गांव चलो अभियान की शुरुआत शुक्रवार को करवाई गई। तीन दिनों तक चलने वाले इस अभियान में पार्टी के कार्यकर्ता प्रत्येक बूथ पर पहुंचेंगे और पार्टी के करणीय कार्यों के साथ वोट प्रतिशत बड़ाने की दिशा में कार्य करेंगे। शाजापुर जिले के 15 ही मंडलों के 835 बूथों पर यह अभियान चलेगा जिसकी शुरुआत शुक्रवार की गई। शाजापुर नगर मंडल अध्यक्ष नवीन राठौर ने बताया कि नगर के 55 बूथों पर ही पार्टी के कार्यकर्ता गांव चलो अभियान के अंतर्गत पहुचेंगे। शुक्रवार को इसकी शुरुआत की गई जिसमे कार्यकर्ताओ को जिला कार्यालय से तय किए गए बूथ पर रवाना किया। इस अवसर पर जिला महामंत्री दिनेश शर्मा ने सभी विस्तारक जाने वाले कार्यकर्ताओ का भाजपा की टोपी और दुपट्टा पहनकर स्वागत किया। आने वाले दो दिनों तक कार्यकर्ता अभियान के अंतर्गत बूथ पर पहुंचेंगे।

एकीकृत माध्यमिक शाला बमनपुरा में व्यंजन मेले का हुआ आयोजन

छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहन देने के लिए किया गया आयोजन

दमोह, जिले की तहसील पटेरा के बमनपुरा स्थित एकीकृत माध्यमिक शाला में व्यंजन मेले का आयोजन किया गया, जिसमें कक्षा पहली और दूसरी के करीब 20 छात्र–छात्राओं ने खाने–पीने की सामग्री एवं रंगोली प्रतियोगिता आदि में हिस्सा लिया। शिक्षक परम प्रसाद पांडे, प्रधान अध्यापक गोकुल चंद्र जैन, राजेश चौरसिया, प्रेमचंद अहिरवाल, पुष्पा चौरसिया, तपस्या खान, शैलेश पटेल, सुनीता अहिरवाल, अनीता यादव, कमला अठिया, शाहरुख खान, सभी शिक्षक और शिक्षिकाओं ने अपने स्वयं के व्यय से व्यंजन मेले का आयोजन किया। इसमें आसपास के छात्र–छात्राओं के परिवार के सदस्य भी शामिल हुये। मेले में छात्र–छात्राओं ने काफी रुचि से भाग लिया और तरह–तरह के व्यंजन पकवान रंगोलिया बनाएं। प्रधान अध्यापक परम पांडे ने बताया कि व्यंजन मेले का आयोजन छात्र–छात्राओं को प्रोत्साहन देने के लिए किया गया है।

मांगों को लेकर तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ ने किया प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

शाजापुर, तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ के प्रांतीय आह्वान पर जिला शाखा शाजापुर के सभी विभाग के कर्मचारी पदाधिकारी शुक्रवार को कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और यहां प्रदर्शन कर अपनी लंबित मांगों के निराकरण हेतु मुख्यमंत्री एवं प्रमुख सचिव मध्यप्रदेश शासन के नाम ज्ञापन अपर कलेक्टर भुरलासिंह सोंलकी को ज्ञापन सौंपा।

जिलाध्यक्ष रघुवीरसिंह पंवार के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में मांग की गई कि प्रदेश के कर्मचारियों को केन्द्र के समान महंगाई भत्ता एवं अंतरिम राहत प्रदान की जाए, सातवे वेतनमान के अनुरूप गृह भाड़ा भत्ता स्वीकृत किया जाए, केन्द्र के समान सातवे वेतनमान में वाहन भत्ता प्रदान किया जाए एवं लिपीक वर्गीय कर्मचारियों की वेतन विसंगति दूर की जाए। ज्ञापन सौंपते समय जिला सचिव मनीष जोशी, लिपिकवर्गीय अध्यक्ष जितेन्द्र राजपूत, राजस्व कर्मचारी संघ अध्यक्ष नितिन श्रीवास्तव, रविन्द्र श्रीवास्तव, जयन्त बघेरवाल, राजेन्द्र मालिया, मो आरिफ खान, बबलू वर्मा, हरिओम राठौर, देवेन्द्र शाक्य, धर्मेन्द्र वर्मा, बंटी राठौर, राकेश पंवार, जितेन्द्र पुष्पद, रवि नागर, राहुल बैरागी, तुषार शर्मा, रामबाबू नागर आदि उपस्थित थे।

सांवरिया फायर वर्क्स का गोदाम किया सील

क्षमता से अधिक पटाखे मिले, मालिक के विरुद्ध भी होगी कार्रवाई

शाजापुर, शहर में शहरी हाईवे पर फूल खेड़ी हनुमान मंदिर के सामने स्थित सांवरिया फायर वर्क्स पटाखा गोडाउन को शुक्रवार को जिला प्रशासन द्वारा सील किया गया। हरदा में हुए हादसे के बाद बुधवार को इस गोडाउन का एसडीएम, एसडीओपी एवं तहसीलदार सहित राजस्व एवं पुलिस विभाग की टीम ने निरीक्षण कर पंचनामा बनाया था। इस गोडाउन में अनुमति से ज्यादा माल भरा हुआ मिला था। तहसीलदार मधु नायक ने बताया कि फूलखेड़ी हनुमान मंदिर स्थित सांवरिया फायर वर्क्स को सील करने की कार्रवाई की गई। गोडाउन में बड़ी मात्रा में पटाखा भरे हुए थे। लायसेंस में तय मात्रा से ज्यादा माल होने पर इसे सील किया गया है। प्रशासन द्वारा मालिक के विरुद्ध भी कार्रवाई की जा रही है। गिरवर रोड स्थित पटाखा दुकान का भी अधिकारियों ने निरीक्षण कर पंचनामा बनाया, जिसकी जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को भेज दी गई, जहां से जवाब आने के बाद नियमानुसार कार्रवाई अधिकारियों द्वारा की जाएगी।

संचालक सैनिक कल्याण मध्यप्रदेश 14 फरवरी को आयेंगे दमोह

पूर्व सैनिक एवं विधवाओं के साथ सम्मेलन कर समस्याओं से होंगे अवगत

दमोह, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कटनी कर्नल डॉ. शास्त्री प्रसाद त्रिपाठी (से.नि.) ने दमोह जिला के समस्त पूर्व सैनिको एवं विधवाओं को जानकारी देते हुये बताया है कि संचालक, सैनिक कल्याण मध्यप्रदेश 14 फरवरी 2024 को प्रातः 10ः30 बजे जनपद पंचायत सभागार (एस डी एम कार्यालय के बगल में), पथरिया में, पथरिया एवं बटियागढ़ तहसीलों के पूर्व सैनिकों एवं विधवाओं तथा सर्व शिक्षा अभियान सभागार कलेक्ट्रेट परिसर दमोह में दोपहर 02 बजे से हटा, पटेरा, दमोह, जबेरा एवं तेंदूखेड़ा तहसीलों के पूर्व सैनिकों एवं विधवाओं के साथ सम्मेलन कर उनकी समस्याओं से अवगत होंगें। उन्होंने दमोह जिला के सभी पूर्व सैनिकों और विधवाओं से आग्रह करते हुये कहा है कि दिये हुए समय एवं स्थान पर सम्मेलन में अवश्य पहुँचे। अधिक जानकारी के लिए कल्याण संयोजक (ए.एस.एफ.), दमोह उत्तम लाल गुप्ता से मोबाइल नं. 91790-56052 पर संपर्क किया जा सकता है।

कटनी में घरेलू गैस से छोटे गैस सिलेंडर में गैस रिफलिंग करने की दुकान पर मरी गयी छापेमारी

एसडीएम, CSP की नागरानी मै हुई छापेमारी

कटनी, कटनी जिले के सुभाष चौक स्थित एक दुकान पर एसडीएम, CSP और कोतवाली पुलिस बल ने छापामार कार्यवाही करते हुए कई छोटे सिलेण्डर जब्त किए है। यह छापेमार कार्यवाही घरेलू गैस से छोटे गैस सिलेंडर में गैस रिफलिंग करने की सूचना मिली थी। कटनी जिले के एसडीएम प्रदीप मिश्रा ने बताया की हरदा के हादसे के बाद से कटनी जिले में लगातार जिला प्रशासन पुलिस प्रशासन अलर्ट है। और वे खुद पुलिस बल के साथ फटका दुकानों के साथ साथ गोदाम ने भी जांच की है। वही मुखबिरों की सूचना पर कटनी शहर के सुभाष चौक स्थित एक दुकान पर छापेमार कार्यवाही करते हुए कई छोटे गैस सिलेंडर को जब्त किया है। उन्हे मुखबिरों से सूचना मिली थी की यहाँ पर घरेलू गैस सिलेण्डर से छोटे छोटे गैस सिलेण्डर में गैस रिफलिंग करता है जिस सूचना पर यह कार्यवाही की गई और मौके से उन्होंने कई छोटे गैस सिलेण्डर जब्त किए है वही दुकान मालिक को हिदायत दी है कि वह छोटे सिलेण्डर में गैस रिफलिंग न करे।.

सेना में भर्ती के लिये दमोह जिला अब सेना भर्ती कार्यालय भोपाल के अधिकार क्षेत्र में

दमोह, रक्षा मंत्रालय (सेना) के एकीकृत मुख्यालय द्वारा मध्य प्रदेश राज्य में सेना भर्ती कार्यालय भोपाल के अधिकार क्षेत्र में जिलों के पुनः आवंटन किये गये है। निदेशक भर्ती कर्नल सब्यसाची बकुंडी ने बताया सेना में भर्ती के लिए दमोह जिले को अब सेना भर्ती कार्यालय भोपाल के अधिकार क्षेत्र में पुनः नामित किया गया है, जो की पूर्व में ग्वालियर के अधिकार क्षेत्र में था। उन्होंने कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी मयंक अग्रवाल से कहा है दमोह जिले के इच्छुक पात्र उम्मीदवार भर्ती प्रक्रिया के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। जागरूकता फैलाने में आपका समर्थन संभावित उम्मीदवारों द्वारा पंजीकरण को अधिकतम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और इस प्रकार एक सुचारू और कुशल भर्ती प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाएगा, जिससे आपके जिले के युवाओं के लिए रोजगार पैदा होगा।

सामुदायिक पोषण वाटिका कार्यमाला पर ज़िला स्तरीय, एक दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

दमोह, जिला पंचायत सभागृह में जिला पंचायत सीईओ अर्पित वर्मा की अध्यक्षता में मनरेगा अंतर्गत चल रहे सामुदायिक पोषण वाटिका कार्यक्रम के तहत जिला मनरेगा परियोजना और राष्ट्रीय संस्था प्रदान के सहसयोजन से सामुदायिक पोषण वाटिका कार्यशाला पर एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन मनरेगा परियोजना के अन्तर्गत किया गया। जिमसे सामुदायिक पोषण वाटिका पर प्रदेश स्तरीय नॉलेज पार्टनर राष्ट्रीय संस्था प्रदान की टीम द्वारा सामुदायिक पोषण वाटिका पर प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में बताया गया की कार्यक्रम में मनरेगा परियोजना के सहयोग से ग्रामीण भूमिहीन और लघुसीमांत परिवार से आनेवाली महिलाएं जो की उस ग्राम पंचायत के स्व–सहायता समूह से जुड़ी हो, वे इस परियोजना के माध्यम से लाभान्वित होंगी। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश भूमिहीन परिवारों को ग्राम पंचायत की शासकीय भूमि समूह को 5 वर्ष के लिए लीज पर दी जाती है जिससे वह सम्मिलित समूह की महिलाएं अपने परिवार पोषण के साथ–साथ अपनी आजीविका में भी वृद्धि कर सकें। प्रशिक्षण में मनरेगा जिला परियोजना अधिकारी अभिलाषा शुक्ला, जिले में जनपद पंचायत के अंतर्गत चयनित एवं स्वीकृत सामुदायिक पोषण वाटिका के सभी अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी, मनरेगा एवं सहायक यंत्री, ग्राम पंचायत सचिव व ग्राम रोजगार सहायक की उपस्थिति में प्रदान संस्था से राकेश, आनंद व गोपाल की उपस्थिति में कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।

मुस्लिम कट्टरपंथियों को झटका!

मलेशिया की 'सुप्रीम' कोर्ट ने रद्द किए शरिया आधारित राज्य कानून

इंटरनेशनल डेस्कः मलेशिया की शीर्ष अदालत ने शुक्रवार को केलंतन राज्य द्वारा बनाए गए शरिया आधारित करीब एक दर्जन कानूनों को रद्द करते हुए कहा कि ये संघीय प्राधिकार में अतिक्रमण करते हैं। इस फैसले की इस्लामिक कट्टरपंथियों ने निंदा की है, क्योंकि उन्हें डर है कि इससे देश भर में धार्मिक अदालतें कमजोर हो सकती हैं। नौ सदस्यीय संघीय अदालत ने 8-1 के बहुमत से विपक्ष द्वारा संचालित केलंतन राज्य सरकार द्वारा बनाए गए 16 कानूनों को अमान्य करार दिया, जिसमें कुकर्म, यौन उत्पीड़न, अनाचार और 'क्रॉस ड्रेसिंग (विपरीत लिंग से संबंधित कपड़े पहनना) से लेकर झूठे सबूत देने तक के अपराधों के लिए दंड का प्रावधान किया गया था। अदालत ने कहा कि राज्य इन विषयों पर इस्लामी कानून नहीं बना सकते, क्योंकि वे मलेशियाई संघीय कानून के अंतर्गत आते हैं। मलेशिया में दो स्तरीय कानून प्रणाली है, जिसमें शरिया के तहत मुस्लिमों के व्यक्तिगत और पारिवारिक मामले आते हैं और सिविल कानून भी हैं। मलय जातीय समूह की परिभाषा के तहत सभी लोगों को मलेशियाई कानून के तहत मुस्लिम माना जाता है। देश की 3.3 करोड़ आबादी में से दो तिहाई आबादी मलय जातीय समूह की है, जबकि बड़ी संख्या में चीनी और भारतीय अल्पसंख्यक भी देश में रहते हैं। शरिया इस्लामी कानून है, जो कुरान और हदीस पर आधारित हैं। अदालत में कानूनों को चुनौती 2020 में ग्रामीण पूर्वोत्तर राज्य केलंतन की दो मुस्लिम महिलाओं ने दी थी। राज्य की कुल आबादी में 97 प्रतिशत मुस्लिम हैं। केलंतन पर 1990 से रूढ़िवादी पैन-मलेशियाई इस्लामिक पार्टी या पीएएस का शासन रहा है। पीएएस के सैकड़ों समर्थक शुक्रवार को अदालत के बाहर जमा हो गए और शरिया कानूनों की रक्षा करने की मांग की। पीएएस के महासचिव तकियुद्दीन हसन ने फैसले के बाद अदालत की इमारत के बाहर संवाददाताओं से कहा, ''आज हम बहुत दुखी हैं। यह इस्लामिक शरिया कानून के लिए काला शुक्रवार है।%% उन्होंने कहा, '' जब एक इलाके के लिए शरिया कानून अवैध हो गया, तो इसका अभिप्राय है कि अन्य राज्यों के शरिया कानूनों को भी यही खतरा हो सकता है। पीएएस मलेशियाई संसद में विपक्ष में है और यह सबसे बड़ी पार्टी है। पार्टी का मलेशिया के 13 में से चार राज्यों पर शासन है। पीएएस सख्त इस्लामी कानूनों का समर्थन करती है। वह हुदूद नामक आपराध संहिता लागू करने की मांग कर रही थी, जिसमें चोरी के लिए अंग-भंग और व्यभिचार के लिए पत्थर मारकर हत्या जैसे दंड शामिल थे। इसे संघीय सरकार ने अवरुद्ध कर दिया था।

नवाज शरीफ का दावा- पीएमएलएन बनी सबसे बड़ी पार्टी, सरकार बनाने का किया ऐलान

इंटरनेशनल डेस्कः पाकिस्तान में आम चुनाव के वोटों की गिनती जारी है। अब तक के रुझानों में इमरान खान और नवाज शरीफ की पार्टी की ओर से अपने-अपने दावे किए जा रहे हैं। इमरान की पार्टी पीटीआई समर्थित उम्मीदवारों का शानदार प्रदर्शन जारी है तो नवाज शरीफ ने दावा किया है कि उनकी पार्टी पीएमएल-एन सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। इसके साथ ही उन्होंने देश में नई सरकार बनाने का ऐलान भी कर दिया है। शरीफ परिवार का चुनाव शानदार परिणाम रहा है और परिवार के 4 सदस्य चुनाव जीतने में कामयाब रहे हैं। जबकि जेयूआई-एफ प्रमुख फजलुर रहमान चुनाव हार गए हैं। लाहौर के मॉडल टाउन में अपने आवास के बाहर खड़े कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए, तीन बार के प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने दावा किया कि पीएमएल-एन चुनावों में सबसे बड़ी एकल राजनीतिक पार्टी के रूप में उभरी है. देश को संकट से बाहर निकालने की जिम्मेदारी पीएमएल-एन की है। वे सभी राजनीतिक दलों और निर्दलीय उम्मीदवारों के जनादेश का सम्मान करते हैं। उन्होंने देश के लिए पूर्व सत्तारूढ़ दल के साथ बैठने के लिए आमंत्रित किया। पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के शीर्ष नेता नवाज शरीफ ने कहा कि उनकी पार्टी गुरुवार के आम चुनावों के बाद 'सबसे बड़ी पार्टी' बनकर उभरी है। लाहौर में अपने विजयी भाषण में नवाज शरीफ ने देश में अगली सरकार बनाने की घोषणा की है। पाकिस्तान में अब तक के चुनाव परिणाम में 207 सीटों के नतीजे आ चुके हैं. निर्दलीय उम्मीदवारों को 88 सीटों पर जीत मिली है।पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने लाहौर सीट से जीत हासिल कर ली है. दरअसल, लगातार चुनाव का रिल्ट बदल रहा है। पीटीआई आरोप लगा रही है कि रिजल्ट में धांधली की जा रही है।

अमेरिका में एक और भारतवंशी की हत्या

वॉशिंगटन- अमेरिका में भारतीय लोगों पर हमले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। हाल के दिनों में भारत के कई छात्रों को निशाना बनाया गया है। अब खबर है कि वॉशिंगटन में एक रेस्तरां के बाहर एक और भारतवंशी पर हमला किया गया है। खबरों के मुताबिक, एक अज्ञात व्यक्ति से कहासुनी के दौरान उसकी हत्या की गई। अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं। **वॉशिंगटन में कहां हुई घटना** मामले के जांचकर्ता अधिकारियों के मुताबिक, घटना 2 फरवरी को 15वीं स्ट्रीट नॉर्थवेस्ट के 1100 ब्लॉक पर रात करीब दो बजे हुई। जानकारी मिलते ही अधिकारी मौके पर पहुंचे तो उन्हें विवेक तनेजा (41 वर्षीय) का फुटपाथ पर मिले। उन्हें जानलेवा चोटें आई हुईं थीं। उन्हें अस्पताल ले जाया गया। कहासुनी के बाद तनेजा पर हमला वॉशिंगटन डीसी एक टेलीविजन स्टेशन डब्ल्यूयूएसए ने कहा, शुरुआती जांच में पाया गया कि तनेजा और एक व्यक्ति के बीच कहासुनी हुई थी। जिसके बाद अज्ञात व्यक्ति ने तनेजा को जमीन पर गिरा दिया और उसकार सिर फुटपाथ पर जा लगा। बुधवार को अस्पताल में उनकी मौत हो गई। पुलिस अब तनेजा की मौत को हत्या मानकर चल रही है। कौन थे भारतीय मूल के विवेक तनेजा तनेजा डायनेमो टेक्नोलॉजीज के सह-संस्थापक और अध्यक्ष थे। कंपनी की वेबसाइट के मुताबिक, तनेजा डायनेमो उन रणनीतिक और साझेदारी की पहलों का नेतृत्व करते थे, जिनमें संघीय सरकार के अनुबंध क्षेत्र पर जोर दिया जाता था। पुलिस अज्ञात व्यक्ति की तलाश कर रही है। आरोपी निगरानी वाले कैमरों में कैद हुआ है। जनता से मदद मांग रही पुलिस मेट्रोलपॉलिटन पुलिस विभाग (एमपीडी) हत्या में शामिल संदिग्ध का पता लगाने के लिए जनता से मदद मांग रहा है। एमपीडी के दस्तावेजों के मुताबिक, हमले की घटना की सूचना मिलते ही अधिकारियों ने तुरंत प्रतिक्रिया दी। उन्होंने हमले के बाद जानलेवा हमले की चोटों के साथ पीड़ित को पाया और उसे इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल ले जाया गया।

कांगो में भीषण सड़क हादसा

बस और ट्रक की जबरदस्त टक्कर में 18 लोगों की दर्दनाक मौत

किन्शासाः कांगो की राजधानी किन्शासा में शुक्रवार को एक सड़क हादसे में कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक यात्रियों से भरी एक बस ट्रक से टकरा गई। किन्शासा में किम्बनसेके नगर पालिका के महापौर अनादोलु एनगंगा ने कहा कि एनडिजिली अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे की ओर जाने वाले राजमार्ग पर यात्रियों की बस एक ट्रक से टकरा गई। सभी मृतकों के शवों को पास के अस्पताल के मुर्दाघर में ले जाया गया। इस हादसे में दो लोग घायल भी हुए हैं।

टोल प्लाजा पर दर्दनाक हादसा, लॉरी और ट्रैवल की टक्कर में 4 की मौत

अमरावती- आंध्र-प्रदेश के नेल्लोर में शनिवार को एक बड़ा हादसा हो गया जिसमें मौके पर लोगों की मौत हो गई। यहां एक ट्रक और बस के बीच भीषण टक्कर के बाद बड़ा हादसा हो गया। यह घटना मुसुनुरु टोल प्लाजा पर हुई। घटना में करीब चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई और 15 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की जानकारी देते हुए शनिवार को डीएसपी कवाली वेंकटरमण ने कहा, नेल्लोर जिले के मुसुनुरु टोल प्लाजा पर एक लॉरी और बस की टक्कर में चार लोगों की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हो गए। फिलहाल घायलों को अस्पताल में ले जाया गया है और पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

आम चुनाव के लिए 97 करोड़ वोटर्स रजिस्टर्ड, 2.63 करोड़ नए मतदाता

नई दिल्लीः चुनाव आयोग ने आगामी आम चुनावों के लिए पूरे देश में अब तक के सबसे अधिक 96.88 करोड़ से अधिक मतदाताओं को पंजीकृत किया है। आयोग के प्रवक्ता ने शुक्रवार को यहां यह जानकारी दी। पंजीकरण में 18-29 आयु वर्ग के दो करोड़ से अधिक युवा मतदाता शामिल वर्ष 2019 से पंजीकृत मतदाताओं में 6 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। साथ ही महिलाओं, युवाओं और दिव्यांगों के बीच पंजीकरण में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई। प्रवक्ता ने कहा कि गहन विशेष सारांश संशोधन (एसएसआर) 2024 के दौरान महिला मतदाताओं का पंजीकरण पुरुष मतदाताओं से आगे निकल गया। पंजीकरण में 18-29 आयु वर्ग के दो करोड़ से अधिक युवा मतदाता शामिल हैं। प्रवक्ता ने कहा कि योग्य अपंजीकृत मतदाता अभी भी निरंतर मतदाता के रूप में नामांकन कर सकते हैं। चुनाव आयोग ने कई महीनों के बाद गहन विशेष सारांश संशोधन 2024 (एसएसआर 2024) अभ्यास और आगे आने वाले आम चुनाव 2024 के लिए देश भर के सभी राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में मतदाता सूची प्रकाशित की। इसमें अहर्ता तिथि के रूप में एक जनवरी, 2024 का संदर्भ भी शामिल है। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर में मतदाता सूची की समीक्षा का सफल समापन और असम, संविधान के परिसीमन के बाद सावधानीपूर्वक योजना, समन्वय और भागीदारी के साथ इसे अंजाम दिया गया। इस दौरान राजनीतिक दलों ने भी मतदाता सूची की समावेशिता, और शुद्धता को लेकर उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। एसएसआर 2024 की मुख्य विशेषताएं- समावेशी भागीदारी- सावधानीपूर्वक योजना और समन्वय के साथ मतदाता सूची अब समावेशिता का दावा करती है। अद्वितीय पैमाना, जो भारत की जीवंत विविधता को दर्शाता है। अंतिम रूप से प्रकाशित मतदाता सूची के अनुसार देशभर में कुल 96.88 करोड़ से अधिक मतदाता पंजीकृत हैं। लिंग समानता- इस प्रकाशन में उल्लेखनीय है महिला मतदाता पंजीकरण में वृद्धि, एक ठोस उदाहरण है चुनाव के भीतर लैंगिक समानता और समावेशिता की दिशा में प्रयास रूपरेखा। मतदाता सूची में लिंगानुपात सकारात्मक रूप से उभरा है। राष्ट्र का ताना-बानाः 2.63 करोड़ से ज्यादा नए मतदाता बने हैं। मतदाता सूची में शामिल करीब 1.41 करोड़ महिला मतदाताओं ने नए नामांकित पुरुष मतदाताओं (1.22 करोड़) को पीछे छोड़ दिया। नई महिला मतदाताओं की संख्या पुरुषों की तुलना में 15 फीसदी से अधिक रहा। लिंग अनुपात 2023 में 940 से बढ़कर 2024 में 948 हो गया। युवा जुड़ाव- दो करोड़ से अधिक युवा मतदाता 18-19 और 20-29 आयु समूहों को चुनावी कवायद में जोड़ा गया है। दिव्यांग मतदाताओं को सशक्त बनाना का भी एक सराहनीय प्रयास किया गया है।

बाइडेन की रणनीति ने अमेरिका एवं हिंद-प्रशांत क्षेत्र को बनाया अधिक सुरक्षित व समृद्ध - व्हाइट हाउस

वाशिंगटन- अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस ने शुक्रवार को कहा कि हिंद प्रशांत रणनीति के कार्यान्वयन ने अमेरिका और इस अहम क्षेत्र को अधिक सुरक्षित एवं अधिक समृद्ध बनाया है तथा भारत के साथ द्विपक्षीय साझेदारी को अभूतपूर्व तरीके से बढ़ाया है। व्हाइट हाउस की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की प्रवक्ता एड्रिएन वॉटसन ने अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रशासन की हिंद-प्रशांत रणनीति की दूसरी वर्षगांठ पर संवाददाताओं से कहा, ''अमेरिका हिंद-प्रशांत में पहले कभी इतनी मजबूत स्थिति में नहीं रहा। उन्होंने कहा, ''पिछले दो साल में हमने ऐसे हिंद प्रशांत की दिशा में ऐतिहासिक प्रगति की है जो स्वतंत्र और खुला, जुड़ा हुआ, समृद्ध, सुरक्षित और लचीला है। राष्ट्रपति बाइडन के नेतृत्व की वजह से अमेरिका हिंद-प्रशांत में इस समय जितनी मजबूत स्थिति में है, वैसी स्थिति पहले कभी नहीं रही। वॉटसन ने कहा कि अमेरिका ने हिंद-प्रशांत रणनीति की शुरुआत के बाद से दो साल में अपने गठबंधनों और साझेदारियों में फिर से निवेश किया है और वह उन्हें फिर से मजबूत करके नयी ऊंचाइयों पर ले गया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने जापान, कोरिया गणराज्य, ऑस्ट्रेलिया, फिलीपीन, थाईलैंड, वियतनाम, इंडोनेशिया और आसियान देशों के साथ अपने संबंधों को मजबूत किया है और भारत के साथ अपनी साझेदारी का अभूतपूर्व तरीके से विस्तार किया है।

60 साल पुरानी चिट्ठी मिलने पर बैखलाई पत्नी, पति पर किया जानलेवा हमला

नेशनल डेस्क- फ्लोरिडा से एक अनोखा मामला सामने आया है, जहां एक महिला ने 60 साल पुरानी बात के लिए अपने हसबैंड पर जानलेवा हमला किया है। दरअसल 71 वर्षीय महिला बर्था याल्टर को अपने पति की एक पुरानी चिट्ठी मिली। जहां से उसे पता चला कि 60 साल पहले तुर्की की एक महिला के साथ अफेयर था। दोनों की शादी को 52 साल हो गए हैं। इस बात के सामने आने के बाद उक्त महिला ने अपने पति पर गंभीर रुप से हमला कर दिया। उसने अपने बुजुर्ग पति को तकिये से मुंह दबाकर मारने की कोशिश की। इस हमले के दौरान बुजुर्ग को मामूली चोटें आई हैं। उसकी दोनों बाहों और पेट पर चोट लगी है, इसके साथ ही शरीर पर दांत काटने के निशान भी हैं। मिली जानकारी के अनुसार बर्था अपने पति द्वारा अपने 60 साल पहले एक महिला के पोस्टकार्ड का उत्तर देने की बात स्वीकार करने के बाद परेशान हो गई थी। महिला के वकील ने बताया कि बुजुर्ग दंपत्ति के बीच बहस हो गई थी, जिसके कारण ये सब हुआ, लेकिन ऐसे उन पर हत्या के प्रयास का आरोप लगाने की कोई जरूरत नहीं है। दूसरी ओर एक राज्य वकील ने बताया कि तकिया दबाने का प्रयास वास्तव में हत्या का प्रयास था क्योंकि इससे दम घुटने के कारण बुजुर्ग व्यक्ति की मौत हो सकती थी।

खराब सड़कों की वीडियो बना रही थी पार्षद

हमलावर गोली मारकर भागे, खड़े देखते रहे लोग

दक्षिण अमेरिकी देश इक्वाडोर में एक युवा महिला नेता की उस वक्त गोली मारकर हत्या कर दी गई, जब महिला नेता अपने इलाके की खराब सड़कों की वीडियो बना रही थीं। घटना के बाद इक्वाडोर में दुख की लहर दौड़ गई है और लोगों ने एक युवा नेता की इस तरह दिनदहाड़े हत्या पर गुस्सा जाहिर किया है।

वीडियो रिकॉर्ड करते हुए हमला इक्वाडोर की पार्षद डियाना कारनेरो (29 वर्षीय) पर उस वक्त हमला किया गया, जब वे गुयास नारंजल इलाके में खराब सड़कों का वीडियो रिकॉर्ड कर रहीं थी। मोटरसाइकिल पर सवार होकर आए दो लोगों ने डियाना के सिर में गोली मार दी और मौके से फरार हो गए। सबकुछ इतनी जल्दी हुआ कि लोग खड़े देखते रह गए। घटना के तुरंत बाद डियाना को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अभी तक इस मामले में किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। हमलावरों की पहचान कर तलाश की जा रही है। पूर्व राष्ट्रपति ने जताया दुख डियाना की हत्या पर इक्वाडोर के पूर्व राष्ट्रपति राफेल कोरेया ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर दुख जाहिर किया। उन्होंने लिखा %डियाना सिर्फ 29 साल की थी। यह दुस्वपन है, जब इस उम्र के बच्चे दुनिया से जाएं तो मां-बाप पर क्या बीतती होगी। हत्यारों ने एक प्रतिभाशाली नेता का जीवन खत्म कर दिया। यह कितना शर्मनाक है।% वहीं गुयाक्लि की डिप्टी मेयर ब्लांका लोपेज ने सोशल मीडिया पर लिखा ये सब खत्म होना चाहिए। अपने इलाके, प्रांत और देश की बेहतरी की कामना करने के लिए किसी की जान को खतरा नहीं होना चाहिए। इक्वाडोर इन दिनों गंभीर सुरक्षा संकट से जूझ रहा है। दरअसल इक्वाडोर के हाई प्रोफाइल गिरोह का नेता एडेल्फो %फिटो% मैकियास बीते दिनों गुआयाक्लि जेल से फरार हो गया था, जिसके बाद देश में हिंसा का दौर शुरू हो गया है। हालात को देखते हुए राष्ट्रपति डैनियल नोबोआ ने देश में आपातकाल का एलान कर दिया था। इस हिंसा में अब तक कई लोगों की मौत हो चुकी है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569